RNI-UPHIN/2009/30721

शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06 :18 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 58 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 356 | गाजियाबाद, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

टीवीके प्रमुख विजय के घर बम की धमकी देने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। चेन्नई के नीलंकरई में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय के घर बम रखने की धमकी देने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान साबिक के रूप में हुई है। गुरुवार सुबह टीवीके प्रमुख एवं अभिनेता विजय को एक मेल के जरिए उनके नीलंकरई स्थित घर में बम होने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने खोजी कुत्ते की मदद से विजय के घर की तलाशी ली, लेकिन कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस के अनुसार जांच के बाद धमकी देने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। व्यक्ति की पहचान साबिक के रूप में हुई, जो मीनाम्बक्कम के एक कॉलेज में काम करता है। पुलिस बम की धमकी के पीछे के कारणों की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री ने इजरायल-हमास शांति समझौते का किया स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिका और अन्य देशों की मध्यस्थता से इजरायल और हमास में हुए शांति समझौते का स्वागत किया। एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने लिखा, "हम राष्ट्रपति ट्रम्प की शांति योजना के पहले चरण पर बनी सहमति का स्वागत करते हैं। यह इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सशक्त नेतृत्व का भी प्रतिबिंब है। हमें आशा है कि बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता में बढ़ोत्तरी से उन्हें राहत मिलेगी और स्थायी शांति का राश्ता साफ मार्ग प्रशश्त होगा।"

झूठे प्रचार अभियान के लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए : BJP

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि राहुल गांधी को बिहार में अपने झूठे प्रचार अभियान के लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने बिहार में घूम-घूमकर वोट चोरी के झूठे आरोप लगाए और उन्होंने विशेष पुर्ननिरीक्षण (एसआईआर) का विरोध किया था। हमने तब भी कहा था कि राहुल गांधी एसआईआर का विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे घुसपैठियों को संरक्षण देते हैं। उन्होंने कहा कि 8 अक्टूबर को बिहार चुनाव आयोग और वहां के अधिकारियों ने सूची सार्वजनिक की है। ये सूची स्पष्ट करती है कि कांग्रेस और आरजेडी के एक भी कार्यकर्ता ने, एक भी बूथ लेवल एजेंट ने बिहार में फाइनल इलेक्टोरल लिस्ट पर एक भी अपील नहीं की है। इस जीरो अपील के आधार पर हम कह सकते हैं कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया में उन्हें कोई विरोधाभास नहीं दिखा है।

ठोस कचरे को सड़क निर्माण में उपयोग करने की योजना : गडकरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि साल 2027 तक देश के सभी ठोस कचरे को सड़क निर्माण में उपयोग करने की सरकार की योजना है। इस 'कचरे से धन' (वेस्ट टू वेल्थ) पहल के तहत अब तक 80 लाख टन कचरा चिह्नित कर सड़क परियोजनाओं में उपयोग किया जा चुका है।

भारत और ब्रिटेन की साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का आधार: मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन को स्वाभाविक साझेदार बताते हुए कहा है कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारत यात्रा पर आये ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ गुरुवार को यहां राज भवन में व्यापक वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में श्री मोदी ने कहा कि श्री स्टारमर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने कहा,' हमने महत्वपूर्ण खनिज पर सहयोग के लिए एक इंडस्ट्री गिल्ड और सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी की स्थापना का निर्णय लिया है। इसका सेटेलाइट कैंपस आई एस एम, धनबाद में होगा।' उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने सैन्य प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी सहयोग का समझौता किया है। इसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर ब्रिटिश वायु सेना में ट्रेनर के रूप में कार्य करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी भरोसे, प्रतिभा और प्रौद्योगिकी पर आधारित है। उन्होंने कहा, 'हमारे संबंधों की नीव में लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन जैसे मूल्यों में साझा विश्वास शामिल है। श्री मोदी ने कहा,' मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में, भारत और ब्रिटेन के बीच यह बढ़ती हुई साझेदारी वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार बन रही है।'

उन्होंने कहा कि आज बातचीत के दौरान दोनों देशों ने हिंद प्रशांत और पश्चिम एशिया में शांति तथा स्थिरता और यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर भी विचार साझा किये। उन्होंने कहा,' यूक्रेन कानफ्लिक्ट और गजा के मुद्दे पर, भारत डायलॉग और डिप्लोमेसी से शांति की बहाली के सभी प्रयासों का समर्थन करता है।' उन्होंने कहा कि दोनों देश हिन्द प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सहयोग बढ़ाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री स्टारमर के साथ आये शिक्षा क्षेत्र के अब तक के सबसे बड़े और प्रभावशाली प्रतिनिधिमंडल का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि अब ब्रिटेन की नौ यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलने जा रही हैं।

कफ सिरप मामले की जांच से जुड़ी पीआईएल पर कोर्ट करेगा सुनवाई निष्पक्ष जांच की मांग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कफ सिरप पीने से बच्चों की हुई मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट अदालत की निगरानी में जांच की मांग वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है। याचिका में इस गंभीर मामले की जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के माध्यम से विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराए जाने की मांग की गई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस उज्ज्वल भुयान और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने सुनवाई 10 अक्टूबर के लिए निर्धारित की।

वकील विशाल तिवारी की तरफ से दाखिल जनहित याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अपील की गई कि मामले की निगरानी कोर्ट के रिटायर जज करें, ताकि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित हो सके।

इसके अलावा, याचिका में कफ सिरप में इश्तेमाल रसायन डायइथाइलीन ग्लाइकॉल और एथलीन ग्लाइकॉल की बिक्री और निगरानी के लिए सख्त नियम बनाए जाने की मांग भी की गई है। पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिए जाने और विभिन्न राज्यों में दर्ज एफआईआर को एक जगह ट्रांसफर कर संयुक्त जांच कराने की भी अपील की गई है।

फिलिस्तीन मामले पर हैरान करती है मोदी की चुप्पी : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिलिश्तीन की संप्रभुता पर चुप्पी साधने और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू की प्रशंसा करने पर आश्चर्य जताया है।

पार्टी ने कहा है कि फिलिश्तीन को भारत ने 37 साल पहले मान्यता दी थी और आज 150 देश उसे मान्यता दे रहे हैं। श्री मोदी नरसंहार करने वाले इजरायली प्रधानमंत्री का गुणगान कर रहे हैं। गाजा में महीनों से नरसंहार हो रहा है लेकिन आश्चर्य इस बात का है कि श्री मोदी इस पर खामोश हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को यहां एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने गाज़ा को लेकर नये घटनाक्रम का स्वागत किया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना की है। ऐसा करने में श्री मोदी की उत्सुकता आश्चर्यजनक नहीं है।

लेकिन इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू गाजा में बीस महीनों से जबरदश्त नरसंहार कर रहे हैं उनकी लगातार प्रशंसा करना वाश्तव में चौंकाने वाली बात है और नैतिक रूप से अत्यंत आपत्तिजनक भी है।

उन्होंने कहा 'पीएम मोदी ने एक स्वतंत्र और संप्रभु फ़िलिश्तीन राज्य के भविष्य पर भी पूरी तरह चुप्पी साध रखी है, जिसे भारत ने नवंबर 1988 में मान्यता दी थी और जिसे आज 150 से अधिक देश मान्यता दे चुके हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री ने क़ब्ज़े वाले पश्चिमी तट में इज़रायली बश्तियों के निरंतर विश्तार पर भी कुछ नहीं कहा है।'

राजनीतिक दल विरोधियों को निशाना बनाने से पहले दिशानिर्देशों पर ध्यान दें : आयोग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को प्रतिद्वंद्वी दलों तथा उम्मीदवारों को निशाना बनाकर तैयार वीडियो में एआई के उपयोग को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुये सभी दिशानिर्देशों का पालन करने को कहा है।

आयोग ने गुरुवार को यहां एक बयान में कहा कि 06 अक्टूबर को बिहार विधान सभा के आम चुनाव और 08 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। ये प्रावधान उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया सहित इंटरनेट पर पोस्ट की जा रही सामग्री पर भी लागू होंगे। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता के प्रावधान अन्य दलों की आलोचना, उनकी नीतियों, कार्यक्रमों, पिछले रिकॉर्ड और कार्य तक ही सीमित रहेंगे।

दलों और उम्मीदवारों को अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के निजी जीवन के उन सभी पहलुओं की आलोचना करने से बचना चाहिए जो सार्वजनिक गतिविधियों से संबंधित न हों। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को असत्यापित आरोपों या विकृति के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना से बचना चाहिए।

आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए राजनीतिक दलों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सूचनाओं को विकृत करने या गलत सूचना फैलाने वाले डीप फेक वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरणों का दुरुपयोग नहीं करने की सलाह दी है।

आयोग ने कहा कि सभी राजनीतिक दल और उनके नेता, उम्मीदवार और स्टार प्रचारक, अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से या विज्ञापनों के रूप में प्रचार के लिए साझा की जा रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सामग्री को डिजिटल रूप से संवर्धित जैसे स्पष्ट प्रतीकों का उपयोग कर प्रमुखता से चिह्नित करने के लिए आवश्यक उपाय करेंगे।

चुनाव आयोग ने कहा है कि चुनावी माहौल को खराब नहीं होने देने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ी नजर रखी जा रही है। आयोग ने आदर्श आचार संहिता के दिशानिर्देशों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की है। इन दिशानिर्देशों के किसी भी उल्लंघन से सख्ती से निपटा जाएगा।

ओम बिरला ने की बारबाडोस में कॉमनवेल्थ सम्मेलन में तकनीक और लोकतंत्र पर कार्यशाला की अध्यक्षता की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 68वें कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन के दौरान 'प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना : परिवर्तनों के माध्यम से लोकतंत्र को बढ़ाना और डिजिटल विभाजन से निपटना' विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता की।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बिरला ने भारत की लोकतंत्र, समावेशी विकास और मानवाधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

ओम बिरला ने कहा कि भारत कॉमनवेल्थ की जनसंख्या का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा है और यह देश लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत कॉमनवेल्थ यूथ प्रोग्राम और कॉमनवेल्थ फंड फॉर टेक्निकल कोऑपरेशन जैसी पहलों में सक्रिय योगदान दे रहा है।

इस बारे में उन्होंने अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट में कहा, "भारत को कॉमनवेल्थ यूथ प्रोग्राम और कॉमनवेल्थ फंड फॉर टेक्निकल कोऑपरेशन जैसी पहलों में योगदान देने पर गर्व है।"

बिहार एसआईआर : जिनके नाम कटे वो लीगल सर्विस अथॉरिटी की मदद से करें अपील : एससी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार एसआईआर मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को एक अंतरिम आदेश पारित किया ताकि अंतिम मतदाता सूची से बहिष्कृत व्यक्तियों को उनके बहिष्करण के विरुद्ध अपील दायर करने हेतु निःशुल्क कानूनी सहायता सुनिश्चित की जा सके।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से अनुरोध किया कि वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को आवश्यक सूचना जारी करे ताकि अपील दायर करने में बहिष्कृत व्यक्तियों की सहायता के लिए पैरालीगल स्वयंसेवकों और कानूनी सहायता परामर्शदाताओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

चूँकि अपील दायर करने का समय कम होता जा रहा है, इसलिए हम एक अंतरिम उपाय के रूप में बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष से अनुरोध करना उचित समझते हैं कि वे सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिवों को, अधिमानतः आज ही, पैरालीगल स्वयंसेवकों और निःशुल्क कानूनी सहायता परामर्शदाताओं की सेवाएँ प्रदान करने के लिए सूचना भेजें ताकि बहिष्कृत व्यक्तियों को वैधानिक अपील दायर करने में सहायता मिल सके। सचिवों को प्रत्येक गाँव में पैरालीगल स्वयंसेवकों के मोबाइल नंबर और पूरा विवरण तुरंत पुनः अधिसूचित करना होगा, जो बूथ श्तर के अधिकारियों से संपर्क करेंगे। वे उन लोगों के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे जिन्हें अंतिम सूची से बाहर रखा गया है। पैरा लीगल वालंटियर्स उन लोगों से संपर्क करेंगे और उन्हें अपील करने के उनके अधिकार के बारे में जानकारी देंगे। वे अपील का मसौदा तैयार करने और मुफ्त कानूनी सहायता परामर्श प्रदान करने में सेवाएँ प्रदान करेंगे," पीठ ने कहा।

पीठ ने स्पष्ट किया कि इस आदेश का लाभ उन लोगों को भी मिलेगा जिनके नाम मसौदा सूची में नहीं थे।

आज, शुरुआत में, भारत निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने याचिकाकर्ता एडीआर द्वारा उठाए गए एक मामले पर चर्चा की, जिसमें एक व्यक्ति का नाम मसौदा सूची में शामिल था और अंतिम सूची से हटा दिया गया।

इस आरोप का खंडन करते हुए, द्विवेदी ने कहा कि वह व्यक्ति मसौदा सूची में नहीं था क्योंकि उसने गणना प्रपत्र जमा नहीं किया था। यह कहते हुए कि एक झूठा हलफनामा दायर किया गया है, जो झूठी गवाही के बराबर है, द्विवेदी ने कहा, "संगठन को अदालत में हलफनामा दायर करने से पहले खुद को संतुष्ट करना चाहिए।"

द्विवेदी ने कहा कि बाहर किए गए व्यक्तियों के पास अपील दायर करने के लिए अभी भी पाँच दिनों का समय उपलब्ध है और कहा कि याचिकाकर्ताओं और राजनीतिक दलों को प्रभावित पक्षों को अपील दायर करने में मदद करनी चाहिए।

आज शुरुआत में, भारत निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने याचिकाकर्ता एडीआर द्वारा उठाए गए एक मामले पर चर्चा की, जिसमें एक व्यक्ति का नाम ड्राफ्ट सूची में शामिल था और अंतिम सूची से हटा दिया गया।

बसपा का जादू कायम है... सपा पर सीधा हमला और योगी सरकार की तारीफ

✷ एनसीआर टुडे. लखनऊ ✷

राष्ट्रीय राजनीति में एक वक्त पर बहुजन समाज पार्टी की गूंज दूर-दूर तक सुनाई देती थी, लेकिन गुजरते वक्त के साथ बसपा राष्ट्रीय राजनीति से जैसे गायब ही हो गई।

समय के साथ पार्टी का प्रभाव धीरे-धीरे सिमटता गया. लोकसभा और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में लगातार झटकों ने बसपा को हाशिए पर ला खड़ा किया। हालांकि गुरुवार को लखनऊ में हुई मायावती की रैली में उमड़ी भारी भीड़ ने न सिर्फ पार्टी को नई ऊर्जा दी, बल्कि मायावती के आत्मविश्वास को भी फिर से जगा दिया है। यह भीड़ बताती है कि बसपा का जादू कायम है। रैली में बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा पर कांशीराम का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा ने सत्ता में आते ही कासगंज जिले का नाम बदल दिया था। मायावती ने दलित समाज से एकजुट होकर जागरूक रहने की अपील की और सपा पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि सपा ने बाबा साहेब को भारत रत्न नहीं दिया। मायावती ने संबोधन में कहा, कि यूपी में कासगंज जिले का नाम मान्यवर कांशीराम नगर के नाम से रखा था। जैसे ही समाजवादी पार्टी सत्ता में आई, उन्होंने नाम बदल दिया।

मायावती ने कहा, इमरजेंसी के दौरान संविधान को कुचला गया। बाबा साहेब को संसद नहीं पहुंचने दिया था। सपा ने कांशीराम का हमेशा अपमान किया। दलित समाज को जागरूक होना होगा। मायावती ने भाजपा के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की। पार्टी संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, 'हम वर्तमान सरकार के आभारी हैं क्योंकि समाजवादी पार्टी सरकार के विपरीत, इस स्थान पर आने वाले लोगों से एकत्र किए गए धन को वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा दबाया नहीं गया है... जब हम सत्ता में थे, और यह स्मारक स्थल बनाया गया था, तो हमने उन लोगों के लिए टिकट प्रदान करने का फैसला किया जो इसे देखना चाहते थे, और इससे उत्पन्न राजस्व का उपयोग अन्य चीजों पर नहीं किया जाएगा, बल्कि इसका उपयोग लखनऊ में बने पार्कों और अन्य स्मारक स्थलों के रखरखाव के लिए किया जाएगा। मायावती ने कहा, कि आप बसपा शासनकाल में बने कांशीराम स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि देने आए हैं।

इस स्मारक के कुछ हिस्सों की समय पर मरम्मत नहीं हो पाई थी, जिसके कारण आप उन्हें पुष्पांजलि अर्पित नहीं कर पाए थे। लेकिन अब जबकि इसका अधिकांश भाग पूरा हो चुका है, आपने अपने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और लाखों की संख्या में कांशीराम को श्रद्धांजलि देने आए हैं

काशीराम का समर्पण हमेशा याद रहेगाः मायावती, योगी सरकार का माना आभार

लखनऊ , एजेंसी।
लखनऊ में बसपा की महारैली में मायावती ने काशीराम को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कांशीराम की पुण्यतिथि है। मायावती ने कहा कि कांशीराम का समर्पण हमेशा याद रहेगा। उन्होंने कहा कि भीड़ के मामले में अपना पिछला खुद का सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए यहां लाखों लाखों की संख्या में इस स्थल पर मान्यवर श्री कांशीराम जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए पहुंचे जिसके लिए पार्टी आपकी बहुत-बहुत आभारी है। मायावती ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार (योगी सरकार) की भी बहुत-बहुत आभारी है और इसीलिए आभारी है क्योंकि इस स्थल को देखने वाले लोगों के टिकटों का इकट्ठा हुआ पैसा सपा सरकार की तरह वर्तमान भाजपा की राज्य सरकार ने इसे दबाकर नहीं रखा है बल्कि करने पर इसे मरम्मत इसकी मरम्मत करने पर पूरा खर्च किया।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में मैं आप लोगों को यह बताना चाहती हूं जब यूपी में हमारी सरकार थी और यह मान्यवर श्री कांशीराम जी के आदर सम्मान में यह जो विशाल स्मारक स्थल जब बनाया गया था तो हमने इस समय हमारी सरकार ने यह व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की जब यूपी में सरकार थी और यह स्थल बन चुके थे तो उन्होंने उनके रख रखा पर कोई पैसा खर्च नहीं किया। सत्ता से बाहर हो जाते हैं तो समाजवादी पार्टी को फिर याद आता है कि हमें संगोष्ठी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टियां हवा हवाई बातें करके इन वर्गों को गुमराह करने में लगी है। आरक्षण दिए जाने के मामले में आदिवासियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों के साथ हमेशा पक्षपात किया। एक प्रकार से यहां खत्म कर दिया था। कानून व्यवस्था भी काफी बुरी तरह से देखने के लिए मिल रही है। कांग्रेस पार्टी के रहे शासन काल को लेकर भी मायावती ने हमला किया। इसके अलावा मायावती ने बरेली, कानपुर जैसे शहरों में आई लव मुहम्मद पर बढ़े बवाल को लेकर भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि शरारती तत्व अकसर एक-दूसरे के देवी-देवताओं और पैगंबर का अपमान करते हैं और बवाल कराते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि विवाद बढ़े। सभी को एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करना चाहिए, लेकिन इसकी आड़ में आई लव आदि की राजनीति नहीं करनी चाहिए। सभी धर्मों के नियम और परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। इस दौरान मायावती ने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। वहीं योगी सरकार को इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि वह उनकी सरकार में बने स्मारकों के विकास से पीछे नहीं हट रही है।

उन्होंने आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद पर भी बिना नाम लिए ही हमला बोला। इसके अलावा उनकी पार्टी के गठन में सपा, भाजपा और कांग्रेस जैसे दलों की भूमिका बताई। मायावती ने कहा कि यूपी में जब बसपा अकेले ही सत्ता में आई थी तो इन्हें डर था कि यदि बीएसपी को आगे बढ़ने से नहीं रोका गया तो फिर यह पार्टी केंद्र की सत्ता में आ जाएगी। इसी से घबरा कर ये लोग एक हो गए। इसके अलावा ऐसे कई संगठन भी बनवा दिए हैं, जो चुनाव में अपने फायदे के हिसाब से उम्मीदवार खड़े करा लें। इनके एकाध उम्मीदवार भी जिताकर भेजे जा रहे हैं ताकि दलितों के वोट काटने में मदद मिलती रहे।

राहुल गांधी पर इशारों में तंज- हाथ में संविधान लेकर नाटक करते हैं यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में गुंडों और माफियाओं को बढ़ावा दिया गया था। अब अधिकांश मामलों में ऐसी ही स्थिति भाजपा की सरकार में भी देखने को मिल रही है। आजादी के बाद सालों तक रही कांग्रेस की सरकारों में तो दलितों का शोषण और उत्पीड़न होता रहा है। यूपी में कांग्रेस का शासन भी जातिवादी, पूंजीवादी रवैये से चलता रहा है। कांग्रेस ने 1975 में बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को ही किनारे लगाने की कोशिश की थी और आज इनके नेता उसी संविधान को हाथ में लेकर नाटक करते हैं।

कांग्रेस ने आंबेडकर को संसद पहुंचने से रोका, भारत रत्न नहीं दिया

कांग्रेस ने ही परम पूज्य बाबासाहेब आंबेडकर को संसद में नहीं जाने दिया गया था और उन्हें भारत रत्न नहीं दिया गया। मान्यवर कांशीराम का जब निधन हुआ तो कांग्रेस की सरकार ने तब राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। इसके अलावा राज्य में सपा सरकार ने राजकीय शोक घोषित नहीं किया था। मंडल कमिशन लागू करने में भी कांग्रेस उदासीन थी और बसपा के तमाम प्रयासों के बाद वीपी सिंह के दौर में हुआ था। अब भाजपा की सरकार में भी ऐसा ही रवैया है। शिलान्यास और उद्घाटन तो काफी हो रहे हैं, लेकिन जमीनी तौर पर काम नहीं हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

हमारे अपने लोग हमें जो भरोसा देते हैं, वही हमें मुश्किल वक्त में ताकत देता हैः शीज़ान खान

मुंबई, एजेंसी। ज़ी टीवी का नया शो 'गंगा माई की बेटियां' दर्शकों के दिल को छू रहा है। गंगा माई (शुभांगी लाटकर) की इस प्रेरक कहानी में सिद्धू का किरदार अहम है, जिसे शीज़ान खान ने निभाया है। वह बाहर से सख्त और डराने वाला है, लेकिन अंदर से बहुत भावुक और अपनी मां से जुड़ा हुआ इंसान है। इस चर्चा में शीज़ान बताते हैं कि उन्होंने सिद्धू को कैसे जिया, कहानी से उनका जुड़ाव क्या है और क्यों उन्हें लगता है कि यह शो दर्शकों को छू जाएगा। मेरे लिए यह शो सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि जिंदगी की सच्चाई है। हिम्मत, सम्मान और रिश्ते, ये बातें हम सबकी जिंदगी में होती हैं। हमारे अपने लोग हमें जो भरोसा देते हैं, वही हमें मुश्किल वक्त में ताकत देता है। इस शो की सबसे खूबसूरत बात यही है कि एक मां और उसकी बेटियों के रिश्ते के ज़रिए इन भावनाओं को बहुत सादगी से दिखाया गया है। असल जिंदगी में भी कई औरतें ऐसी होती हैं जो बिना दिखावे के अपनी ताकत साबित करती हैं। यही बात मुझे इस शो से जोड़ती है और याद दिलाती है कि ऐसी कहानियां बहुत जरूरी हैं। वाराणसी सिर्फ एक जगह नहीं है, बल्कि खुद एक किरदार है। यह शहर अपनी गलियों, घाटों और गंगा नदी के साथ कहानी को असली बनाता है। गंगा माई की जिंदगी में जैसे उतार-चढ़ाव हैं, वैसे ही यह शहर हर दिन नई शुरुआत करता है। यहां की संस्कृति, लोगों की सादगी और विश्वास कहानी को गहराई देते हैं। वाराणसी की आध्यात्मिकता शो में उम्मीद और ताकत दोनों लाती है।

हिम्मत की दाद देता हूं, पूर्व पुलिस कमिश्नर ने की राकेश किशोर की तारीफ

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु के पूर्व पुलिस आयुक्त और भारतीय जनता पार्टी नेता भास्कर राव ने सीजेआई यानी भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की ओर जूता उछालने वाले अधिवक्ता राकेश किशोर की प्रशंसा की है। हालांकि, आलोचना होने के बाद राव ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के लिए माफी मांग ली। किशोर के खिलाफ बेंगलुरु में एफआईआर दर्ज हुई है। राव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मंगलवार को एक पोस्ट में कहा था, भले ही यह कानूनी रूप से बहुत गलत हो, लेकिन मैं इस उम्र में भी आपके साहस की प्रशंसा करता हूं कि आपने परिणामों की परवाह किए बिना एक रुख अपनाया और उस पर कायम रहे। राव के इस पोस्ट पर कई 'एक्स' उपयोगकर्ताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी। नितिन शेषाद्रि ने हैरानी जताते हुए कहा, मान्यवर, मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं थी। क्या यह नाथूराम गोडसे और नारायण आप्टे के मुकदमों में उनके बचाव में इस्तेमाल की गई भाषा जैसी नहीं थी? एक अन्य उपयोगकर्ता ने बेंगलुरु पुलिस को टैग करते हुए लिखा, आपको इस पोस्ट पर कार्रवाई करनी चाहिए! राव ने बाद में बुधवार को एक पोस्ट कर अपनी राय के लिए माफी मांगी। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी ने कहा, मेरी प्रतिक्रिया हैरानी और सदमे से भरी थी कि एक व्यक्ति इतना शिक्षित, वृद्ध और अनुभवी होने के बावजूद एक भयानक और कानूनी रूप से गलत कार्य के परिणामों को पूरी तरह से जानते हुए यह कृत्य कर रहा है। मैंने न तो उच्चतम न्यायालय, न ही प्रधान न्यायाधीश या किसी समुदाय का अपमान किया है। अगर मेरे पोस्ट से किसी को गुस्सा आया है या ठेस पहुंची है, तो मुझे खेद है।

तेजस्वी होंगे चेहरा, 3 डिप्टी सीएम

● महागठबंधन ने तैयार कर लिया सीट बंटवारे का फार्मूला

पटना, एजेंसी।
आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी महागठबंधन अपने सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के करीब है। गठबंधन के भीतर सहमति बनती दिख रही है कि अगर वह सत्ता में आता है तो दलित, मुस्लिम और अति पिछड़ा वर्ग (श्वक्चष्ट) समुदायों से तीन उपमुख्यमंत्री नियुक्त किए जाएंगे। वरिष्ठ राजद और कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा तेजस्वी यादव होंगे, जो पिछड़े वर्ग से आते हैं और दो बार उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं। हालांकि, अब तक सहयोगी दलों ने औपचारिक रूप से उनके नाम पर मुहर नहीं लगाई है। तेजस्वी यादव का मुकाबला एनडीए के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से होगा, जिनकी सरकार में वर्तमान में दो उपमुख्यमंत्री- सम्राट चौधरी (ओबीसी) और विजय कुमार सिन्हा (भूमिहार) कार्यरत हैं। हालांकि, चुनाव से पहले उपमुख्यमंत्री जैसे पदों की घोषणा करना असामान्य है। आरजेडी पिछले 20 वर्षों में अपने दम पर कोई चुनाव नहीं जीत पाई है और पांच साल पहले हुए विधानसभा चुनाव में महागठबंधन बहुमत के आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गया था, क्योंकि छोटे समुदायों ने यादव-प्रधान राजनीति के खिलाफ चुपके से गोलबंदी की थी। जन सुराज पार्टी के अनिल कुमार सिंह ने इसे चुनाव से पहले का झूठा संदेश करार दिया। उन्होंने कहा, 123 का जादुई आंकड़ा हासिल करना उनके लिए मुश्किल है। यह योजना इसलिए लाई गई है ताकि वीआईपी के मुकेश साहनी, जो खुद को अगला उपमुख्यमंत्री घोषित कर चुके हैं, पक्ष न बदल लें। इतने बड़े पैमाने पर सत्ता का बंटवारा नौकरशाही में अतिव्यापी और आंतरिक प्रतिद्वंद्विता को जन्म दे सकता है। यह तेजस्वी के अपने प्रभुत्व को भी कमजोर कर सकता है।

सीट बंटवारे का फॉर्मूला और उपमुख्यमंत्री की रणनीति

राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि सीट बंटवारे का फार्मूला लगभग तय हो गया है। इसके तहत आरजेडी 125 सीटों पर, कांग्रेस 50-55 सीटों पर और वाम दल करीब 25 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। शेष सीटें अन्य सहयोगी दलों जैसे विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान के भाई पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाली) और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच बांटी जाएंगी। तिवारी ने कहा, यह फॉर्मूला स्पष्ट संकेत है कि तेजस्वी यादव महागठबंधन के निर्विवाद मुख्यमंत्री चेहरा बनकर उभरे हैं। यह उनकी मास्टरस्ट्रोक रणनीति है, जिसके जरिए वह आरजेडी की यादव-केंद्रित छवि को बदलकर दलितों, अति पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को सत्ता में दृश्यमान स्थान देना चाहते हैं। पटना के राजनीतिक विश्लेषक धीरेंद्र कुमार का कहना है कि उपमुख्यमंत्री का पद राजनीतिक संतुलन का औजार होता है। उन्होंने कहा, तीन उपमुख्यमंत्री का फार्मूला तेजस्वी यादव को कई स्तरों पर लाभ पहुंचा सकता है। यह वंशवाद के आरोप को कमजोर करता है, यादव-केंद्रित राजनीति से दूरी का संदेश देता है और दलित, पिछड़े और मुस्लिम वर्गों को सत्ता में दृश्य भागीदारी का भरोसा देता है। बिहार विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं, और बहुमत के लिए 123 सीटों की जरूरत है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, महागठबंधन की यह रणनीति सामाजिक समीकरणों को साधने और सत्ता की ओर बढ़ने का एक बड़ा दांव माना जा रहा है।

कांग्रेस का क्या है नजरिया?

कांग्रेस नेता प्रवीन सिंह कुशवाहा ने कहा कि तीन उपमुख्यमंत्री का यह प्रस्ताव राहुल गांधी के सामाजिक समावेशन के संदेश को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह प्रतीकात्मक फैसला सामाजिक न्याय की राजनीति को और व्यापक रूप देने का प्रयास है। वीआईपी प्रवक्ता देव ज्योति ने बताया कि यह फार्मूला तेजस्वी यादव की दूरदर्शिता को दर्शाता है। उन्होंने दावा किया कि गुरुवार शाम तक तेजस्वी जी को महागठबंधन का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कर दिया जाएगा।

विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया

उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक मोर्चा के महासचिव और प्रवक्ता राम पुकड़ शर्मा ने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा, महागठबंधन के नेता हवाई किले बनाने में माहिर हैं। उन्हें पता है कि उनका गठबंधन तीन अंकों तक भी नहीं पहुंचेगा, फिर भी वे ऐसी घोषणाएं कर रहे हैं। उन्हें अपने मंत्रिमंडल के नाम भी घोषित कर देने चाहिए। बिहार में अब तक 10 उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं। उपमुख्यमंत्री अनुग्रह नारायण सिन्हा ने श्रीकृष्ण सिन्हा के साथ 11 साल से अधिक समय तक सह-शासन का मॉडल स्थापित किया। बाद में, समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर ने 329 दिन तक उपमुख्यमंत्री रहने के बाद मुख्यमंत्री बने। इस पद पर कुछ अल्पकालिक प्रयोग भी हुए। शोषित समाज दल के जगदेव प्रसाद ने मात्र चार दिन और कांग्रेस के राम जयपाल सिंह यादव ने 1970 के दशक में 220 दिन तक यह पद संभाला।

हरियाणा के डीजीपी गिरफ्तार हों; आईपीएस पूरन कुमार की पत्नी ने दी शिकायत

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की खुदकुशी के मामले ने जोर पकड़ लिया है। अफसर की आत्महत्या के दौरान जापान दौरे पर गई उनकी पत्नी अमनीत पी. कुमार वापस लौट आई हैं और उन्होंने इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत दी है। हरियाणा काडर की आईएएस अमनीत कुमार ने अपनी शिकायत में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया पर आरोप लगाया है कि वे पति का उत्पीड़न कर रहे थे। इसी के चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली थी। अमनीत ने मांग की है कि हरियाणा के डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ एससी-एसटी ऐक्ट के तहत केस दर्ज किया जाए। आईपीएस वाई पूरन कुमार दलित समाज से आते थे। उन्होंने हाल ही में रोहतक की सुनारिया जेल की जिम्मेदारी मिली थी और आईजी की पोस्ट पर तैनात थे। उन्होंने खुद को चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित आवास पर गोली मार ली थी। अमनीत ने दावा किया है कि उनके पति ने सुसाइड नोट में मांग की है कि डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ केस दर्ज हो और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। अमनीत ने अपनी शिकायत में लिखा है, मेरे पति जो बेहद ईमानदारी और जज्बे के साथ काम करते थे। वह घर में गोली लगने से मृत पाए गए। आधिकारिक रूप से इसे आत्महत्या कहा जा रहा है, लेकिन मेरी आत्मा कहती है कि यह उनका लगातार उत्पीड़न होने का परिणाम है।

अमनीत पी. कुमार ने आरोप लगाया कि उनके पति का सालों से उत्पीड़न हो रहा है।

मैसेज के दौर में भी डाकघरों की अहमियत बरकरार

गाजियाबाद , एजेंसी। मैसेज के दौर में आज भी डाकघरों की अहमियत बरकरार है। डाकघर के माध्यम से लोग देश और विदेश तक चिट्ठी, उपहार और अन्य जरूरी दस्तावेज भेजते हैं। पिछले दो साल में गाजियाबाद शहर से करीब 12 हजार चिट्ठियां देश-विदेश में भेजी जा चुकी हैं। मुख्य प्रधान डाकघर की सीनियर पोस्ट मास्टर चंचल ढाका ने बताया कि डाक सेवा तकनीक के इस युग में भी लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। खासतौर पर त्योहारों के समय इसकी भूमिका अधिक बढ़ जाती है। शहर से इंग्लैंड, स्पेन, इटली, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, सऊदी अरब आदि अन्य देश में डाक भेजी जाती हैं। पिछले दो सालों में स्पीड पोस्ट के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में करीब साढ़े सात हजार चिट्ठी, उपहार, पार्सल भेजे गए हैं। वहीं, विदेशों में करीब पांच हजार उपहार, चिट्ठी, पार्सल आदि स्पीड पोस्ट से भेजे गए हैं।

अगस्त में ही आधुनिकरण किया था- अगस्त में ही सभी डाकघर में नया सॉफ्टवेयर रोलआउट किया गया था। इनमें यूपीआई के माध्यम से भुगतान की शुरुआत की गई। इसके बाद से डाकघर में लंबी कतारों में कमी आई। रजिस्ट्री बंद कर स्पीड पोस्ट में ही इसे समाहित किया गया। वैसे तो डाक सेवा पूरे 12 महीने ही लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन रक्षाबंधन और दीवाली जैसे भावनाओं से जुड़े त्योहार पर यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। शहर में रह रहे ऐसे कई लोग जो यहां नौकरी एवं पढ़ाई के उद्देश्य से परिवार से दूर रह रहे हैं और किसी कारणवश वे त्योहार पर घर नहीं जा पाते हैं। ये लोग डाक सेवाओं के माध्यम से अपने परिवार के लोगों से चिट्ठी, उपहार भेज कर आदान-प्रदान करते हैं। इसमें मिठाई से लेकर राखी, पैसे शामिल हैं।

असम और गुजरात को 707 करोड़, वायनाड के पीड़ितों को बहुत कमः केरल हाईकोर्ट

कोच्चि, एजेंसी।
केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि वायनाड में 2024 में आए भूस्खलन के पीड़ितों के प्रति केंद्र ने लगभग विफलता दिखाई है। अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करते हुए इन पीड़ितों के ऋण माफ करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और हताशाजनक है।

न्यायमूर्ति ए. के. जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति जोबिन सेबेस्टियन की खंडपीठ ने यह टिप्पणी करते हुए बैंकों को निर्देश दिया कि वे वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के खिलाफ किसी भी ऋण वसूली कार्रवाई को अगली सुनवाई तक रोक दें। यह जनहित याचिका अदालत ने स्वयं संज्ञान लेकर दायर की थी, ताकि राज्य में आपदा प्रबंधन और रोकथाम की स्थिति में सुधार किया जा सके।

'शायलॉक जैसी वसूली पद्धतियां स्वीकार्य नहीं'त्न अदालत ने कहा कि वह शायलॉकियन तरीकों (निर्दयी वसूली के तौर-तरीकों) से बैंकों द्वारा की जा रही कार्रवाई को स्वीकार नहीं कर सकती। पीठ ने कहा कि केंद्र का यह तर्क अस्वीकार्य है कि वह ऋण माफी के मामले में शक्तिहीन है, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 73 के तहत केंद्र के पास व्यापक अधिकार मौजूद हैं। अदालत ने कहा कि जब केंद्र स्वयं इन भूस्खलनों को गंभीर आपदा की श्रेणी में रखता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पीड़ितों का जीवन और गरिमा सुरक्षित रहे। पीठ ने कहा, यह तब और भी अधिक स्पष्ट हो जाता है जब हमें आज एक समाचार रिपोर्ट से पता चलता है कि केंद्र सरकार ने 2024 के दौरान बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित होने वाले असम और गुजरात राज्यों को अतिरिक्त केंद्रीय सहायता के रूप में 707 करोड़ रुपये की सहायता को मंजूरी दी है। कोर्ट ने कहा, वायनाड पीड़ितों के लिए ऋण माफी के रूप में मांगी गई मौद्रिक राहत इस राशि का एक छोटा सा हिस्सा है।

अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच का संचालन करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. संभल ✷

उत्तर प्रदेश के संभल जिले की पुलिस ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच का संचालन करने वाले एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुकेश कक्कड़ और अंकित कुमार के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि गिरोह से जुड़े 700 बैंक खातों में जमा लगभग एक करोड़ रुपये की राशि भी फ्रीज कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक (संभल) कृष्ण कुमार बिश्नोई के मुताबिक, मुकेश और अंकित के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया गया था तथा दोनों को बैंकॉक से लौटने के बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया।

उन्होंने संवाददाताओं को बताया, "यह गिरोह बीओबी777 नाम के फ्रैंचाइजी मॉडल के तहत अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच का संचालन कर रहा था, जिसके आउटलेट भारत के कई हिस्सों में मौजूद हैं। दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में जय कक्कड़ और आदित्य गुप्ता नाम के दो व्यक्ति ऐसे ही एक आउटलेट का संचालन कर रहे थे।"

बिश्नोई के अनुसार, "फ्रैंचाइजी का प्रबंधक इंगित कोहली, जो वर्तमान में हरियाणा के पंचकूला में रहता है, लोगों को कर्ज माफ करवाने में मदद का झांसा देकर उनकी बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड जमा करता था। फिर गिरोह के सदस्य उन खातों से जुड़े मोबाइल नंबर को बदल देते थे और उनका इश्तेमाल ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए करते थे।" उन्होंने बताया, "आरोपी इन फर्जी खातों से जुटाई गई सट्टेबाजी की रकम अपने खातों में अंतरित करते थे और आपस में पैसे बांट लेते थे।" बिश्नोई ने कहा, "दीपक सिंह नाम का एक आरोपी पता बदलकर आधार कार्ड बनवाने और नये सिम कार्ड हासिल करने में गिरोह की मदद करता था। पुलिस की नजर से बचने के लिए इन सिम कार्ड को कर्ज माफ करवाने में मदद के झांसे में आए लोगों के बैंक खातों से जोड़ दिया जाता था।"

उन्होंने कहा कि मुकेश कक्कड़ धोखाधड़ी से हासिल किए गए सिम कार्ड का इश्तेमाल करके अवैध सट्टेबाजी मंच से जुड़े खातों की निगरानी करता था और वह कथित तौर पर ऑनलाइन सट्टेबाजी से होने वाले नकद लेनदेन का भी प्रबंधन करता था। पुलिस ने बताया कि गिरोह से जुड़े नौ लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उसने बताया कि मामले में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और जांच जारी है।

वाल्मीकि जंयती के सफल होने पर स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

महर्षि वाल्मीकि भगवान के प्रकटोत्सव /जयंती पर भव्य अमृत ज्योति शोभायात्रा के सफल आयोजन पर पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था बहुत अच्छी रही थी जिसको लेकर जिलाधिकारी, संजीव रंजन, एड़ीएम सिटी, उप जिलाधिकारी अमित कुमार भट्ट,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन,"पुलिस अधीक्षक नगर मृगांक शेखर पाठक, से मिलकर धन्यवाद प्रेषित किया साथ ही भव्य महर्षि वाल्मीकि शोभायात्रा पर जिलाधिकारी प्रशासनिक अधिकारियों ने भी बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि बहुत ही भव्य सुंदर संस्कृति धार्मिक आयोजन, अनुशासन में था। इस दौरान अमृत ज्योति शोभायात्रा यात्रा के संस्थापक /अध्यक्ष, भाजपा नेता राहुल चेतन,संरक्षक/वरिष्ठ समाज सेवी, मुरारीलाल चौहान, श्री बंगाली प्रसाद त्यागी,राजवीर निडर,विनोद करन, संयोजक विष्णु खरे, उपस्थित रहे।

चोरी के आरोपी सिक्योरिटी गार्ड को फैक्ट्री में बंधक बनाने पर हंगामा

✷ एनसीआर टुडे. मेरठ ✷

मेरठ परतापुर थाना क्षेत्र में चोरी के आरोपी सिक्योरिटी गार्ड को फैक्ट्री मालिक ने दो दिन से बंधक बना लिया। जानकारी के बाद पहुंचे भारतीय किसान यूनियन अनाज के कार्यकर्ताओं ने फैक्ट्री पर हंगामा करते हुए पुलिस बुला ली।

बाद में दोनों पक्षों के बीच थाने में समझौता हो गया। दरअसल, करनावल गांव के रहने वाले सौरभ सिंह की शताब्दी नगर में फ्लोर इलेक्ट्रिकल प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ट्रांसफार्मर बनाने की फैक्ट्री है।

फैक्ट्री में रोहटा रोड निवासी विजेंद्र कुमार सिक्योरिटी गार्ड है। आरोप है कि शनिवार को रात विजेंद्र शराब के नशे में फैक्ट्री से 60 हजार की कीमत का छोटा ट्रांसफार्मर चुराकर ले गया।सोमवार को फैक्ट्री मालिक ने सीसीटीवी फुटेज में विजेंद्र को ट्रांसफार्मर उठाते देखा। मंगलवार को विजेंद्र फैक्ट्री पहुंचा तो फैक्ट्री मालिक ने सीसीटीवी फुटेज दिखाते हुए विजेंद्र से पूछताछ की। जिस पर विजेंद्र ने बताया कि उसने ट्रांसफार्मर को रोहटा रोड स्थित एक कबाड़ी को ढाई सौ रुपए में बेचा है।

फैक्ट्री मालिक कबाड़ी को धमका कर अपना ट्रांसफार्मर वापस ले आया। लेकिन, इसके बाद विजेंद्र पर फैक्ट्री से लगातार चोरी का आरोप लगाते हुए उसे फैक्ट्री में बंधक बना लिया। दो दिन से विजेंद्र फैक्ट्री में ही था।

गुरुवार को भाकियू अनाज के प्रदेश अध्यक्ष निशांत भड़ाना कार्यकर्ताओं के साथ फैक्ट्री पर पहुंच गए। निशांत ने हंगामा करते हुए मौके पर पुलिस बुला ली।

एक्सीडेंट में घायल युवक की मौत के बाद ऑप्टिमा हॉस्पिटल में हंगामा

✷ एनसीआर टुडे. मेरठ ✷

दो दिन पहले हश्तिनापुर थाना क्षेत्र में हुई दुर्घटना में घायल हुए युवक की दिल्ली के एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके बाद ब्रहस्पतिवार को मृतक के परिजनों ने हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ ऑप्टिमा अस्पताल पहुंचकर हंगामा कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि ऑप्टिमा हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने युवक के प्रारंभिक उपचार में लापरवाही बरतते हुए उसे दिल्ली रेफर किया। जिसके चलते उसकी मौत हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने हंगामे को शांत किया। दरअसल, दो दिन पहले काशीराम कॉलोनी निवासी अनुसूचित जाति का जॉनी पुत्र हरपाल सिंह हश्तिनापुर क्षेत्र में हुई दुर्घटना में घायल हो गया था।<

डासना में चल रहे प्रोजेक्ट का निरीक्षण

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को जल्द फ्लैट पर कब्जा मिलेगा। डासना में चल रहे प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य का निरीक्षण प्रभारी मुख्य अभियंता ने किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता परखा। साथ ही जल्द ही भवन तैयार करने के निर्देश दिए। जीडीए डासना में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 432 मकान तैयार कर रहा है। यह प्रोजेक्ट एक मार्च 2019 को शुरू हुआ था, जबकि इसका निर्माण कार्य समाप्त होने की समयावधि 30 जून 2023 तय की गई थी। 14,074 वर्ग मीटिर में फैले इस प्रोजेक्ट में भवनों का स्ट्रेक्चर बनकर तैयार हो चुका है। यहां तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। प्रभारी मुख्य अभियंता इस प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने यहां मकानों के निर्माण में प्रयोग होने वाली सामग्री की जांच की। साथ ही तैयार मकानों में लगी सामग्री को भी परखा। इस दौरान उन्होंने ठेकेदार से एक महीने में इन मकानों को तैयार करने के लिए कहा।

दिव्यांग से कुकर्म करने का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के निवाड़ी थानाक्षेत्र के एक गांव में 12 वर्षीय दिव्यांग के साथ कुकर्म करने का मामला सामने आया है। हालत बिगड़ने पर परिजनों को इस बात का पता चला। बच्चा मूकबधिर है और कुछ पता नहीं पा रहा है। आरोपी का पता लगाने के लिए पुलिस ने मूकबधिर एक्सपर्ट को बुलाया है, जिससे बालक की भाषा को समझकर आरोपी का सुराग लगाया जा सके। एक गांव निवासी एक व्यक्ति का 12 वर्षीय पुत्र मूकबधिर है। दो दिन पहले बच्चा अपने घर के बाहर खेल रहा था। बताया जा रहा कि काफी देर बाद जब बच्चा अपने घर पहुंचा तो अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। बच्चे ने परिजनों को इशारे में अपने साथ हुए कुकर्म की बात बताई। पुलिस ने बताया कि कि मूकबधिर एक्सपर्ट को बुलाया गया है। इसके बाद आरोपी की शिनाख्त कर उसकी गिरफ्तारी की जाएगी।

गांव सीकरी खुर्द में बंदरों के हमले में दो युवक घायल

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर में बंदरों का आंतक रुकने का नाम नहीं ले रहा। गांव सीकरी खुर्द में दो युवकों को बंदरों ने काटकर घायल कर दिया। लोगों ने नगर पालिका परिषद के अधिकारियों से बंदरों को पकड़ने की मांग की है। गांव सीकरी खुर्द स्थित संजवनी स्टेट कॉलोनी में प्रवेश कुमार परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि घर के आंगन में चारपाई पर मछरदानी लगाकर सो रहे थे। गुरुवार सुबह अचानक बंदरों के झुंड ने हमला कर हाथ पर गहर घाव कर दिया। परिजनों ने प्रवेश को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। इसके अलावा गांव सीकरी खुर्द विक्की पर भी बंदरों ने हमला कर घायल कर दिया। बता दें कि एक सप्ताह बंदर 20 से अधिक लोगों को काटकर घायल कर चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका परिषद के अधिकारियों से कई बार बंदरों को पकड़ने की मांग कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अधिशासी अधिकारी नरेन्द्र मोहन मिश्र ने बताया कि बंदरों को पकड़ने का टेंडर छोड़ दिया गया था। बंदरों को छोड़ने के लिए उचित स्थान नहीं मिला है। इस कारण बंदरों को पकड़ने का काम स्थागित कर दिया गया है।

सामान लेकर लौट रही युवती से मारपीट

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के गांव निवासी गुलफाम ने बताया कि बुधवार को पुत्री गुड़िया दुकान से सामान लेकर लौट रही थी। राश्ते में महिला नगीना उसके पति मोसीन, पुत्र मोनिस और मोमीन ने पुत्री को रोककर पुराने विवाद के चलते गाली-गलौज की। विरोध पर लाठी-डंडों से पुत्री को मारपीट कर घायल कर दिया। लोगों के एकत्रित होने पर आरोपी धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही।

बदमाशों ने बातों में उलझाकर महिला से जेवर ठगे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। राजनगर एक्सटेंशन में बदमाशों ने महिला को बातों में उलझाकर उसके गहने उतरवाकर फरार हो गए। ठगों ने गले का मंगलसूत्र, कानों के कुंडल और बालियां उतरवाकर अपने रूमाल में रख लिए और बदले में धूल से भरा रूमाल और नकली नोटों की गड्डी महिला के बैग में डालकर फरार हो गए। नंदग्राम पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नूरनगर सिहानी गांव में रहने वाली सरोजनी देवी का कहना है कि सात अक्तूबर की दोपहर करीब दो बजे वह ऑफिसर सिटी की एक सोसाइटी में काम करने जा रही थी। इसी दौरान सर्विस रोड पर दो अज्ञात युवक उनसे मिले और मेरठ जाने का राश्ता पूछा। राश्ता न पता होने का हवाला देने पर भी दोनों युवक उनके साथ-साथ पैदल चलने लगे। थोड़ी दूर चलने के बाद एक युवक ने उन्हें दीदी कहकर पुकारा और बातों में उलझा लिया। इसके बाद दोनों ने उन्हें विश्वास में लेकर उनके कानों के कुंडल, गले का मंगलसूत्र और कानों की बालियां उतरवाकर अपने रूमाल में रख लीं। इसके बाद आरोपियों ने उन्होंने एक रुमाल मुट्ठी में बंद कर दे दिया तथा साथ ही उनके बैग में एक कागज की गड्डी रख दी। इसके ऊपर दस रुपये का एक नोट चिपका हुआ था। सरोजनी के मुताबिक उन्हें लगा कि गहने सुरक्षित हैं, लेकिन कुछ दूर जाकर उन्होंने रुमाल खोला तो उसमें सिर्फ धूल निकली।

फर्जी गिफ्ट डीड से जमीन कब्जाने की कोशिश

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। नंदग्राम थानाक्षेत्र में फर्जी दान-पत्र के जरिये जमीन कब्जाने की कोशिश का मामला सामने आया है। विजयनगर थानाक्षेत्र के कृष्णा नगर बागू में रहने वाले प्रहलाद सिंह ने कोर्ट के आदेश पर नंदग्राम थाने में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आरोपी बनाए गए लोगों में नंदग्राम थानाक्षेत्र के मकरमतपुर सिकरोड निवासी योगेंद्र पाल और उसके भाई देवेंद्र के अलावा सिकरोड के ही रहने वाले मुकेश और राजेश शामिल हैं।

राशन वितरण 10 अक्तूबर से होगा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। जिले में पूर्ति विभाग 10 अक्तूबर से राशन का वितरण करेगा। इसके लिए निर्देश दे दिए गए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने बताया कि अंत्योदय राशन कार्ड धारकों को प्रति 14 किलोग्राम गेहूं और 21 किलोग्राम चावल मिलेगा। साधारण राशन कार्ड धारकों को प्रति यूनिट दो किलोग्राम गेहूं और तीन किलोग्राम चावल दिया जाएगा।

जमीन बेचने का सौदा कर एक करोड़ हड़पे

छह लोगों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया हत्या की साजिश रचने की भी शिकायत

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

सिहानी गेट थानाक्षेत्र में जमीन बेचने का सौदा कर एक करोड़ रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। इस संबंध में कौशल नगर सिहानी निवासी व्यक्ति ने कोर्ट के आदेश पर छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है।

नंदग्राम थानाक्षेत्र के कौशल नगर सिहानी निवासी वीर सिंह वर्मा ने कोर्ट के आदेश पर अलकनंदा दिल्ली स्थित मंदाकिनी एनक्लेव निवासी सुदर्शन कुमार त्यागी, उनके भाई नोएडा सेक्टर-112 निवासी भाई उपेंद्र कुमार त्यागी, सुखदेव विहार नई दिल्ली निवासी देवेंद्र कुमार त्यागी और रेल विहार इंदिरापुरम निवासी अशोक कुमार त्यागी के अलावा मेरठ रोड स्थित कृष्णा नगर कॉलोनी निवासी कपिल शर्मा और गुलधर निवासी राजकुमार त्यागी के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर सिहानी गेट थाने में केस दर्ज कराया है।

वीर सिंह वर्मा का कहना है कि जुलाई 2022 में कपिल शर्मा ने जमीन दिलाने के बहाने उन्हें अन्य आरोपियों से मिलवाया। आरोपियों ने ग्राम ढरगल गुलधर स्थित भूमि का चौथाई हिस्सा बेचने की बात कहकर 22 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से सौदा तय किया। इसके बाद दिनांक 11 जुलाई 2023 को दोनों पक्षों के बीच नोटरी तहत एक अनुबंध पत्र किया गया, जिसकी वैधता 10 अप्रैल 2024 तक रखी गई।

वीर सिंह वर्मा के मुताबिक उन्होंने विभिन्न तिथियों में आरटीजीएस, डीडी और नकद के माध्यम से आरोपियों को करीब एक करोड़ रुपये का भुगतान किया, जिसकी रसीद भी कपिल शर्मा ने उन्हें दी थी।

आरोप है कि जब बैनामा की अंतिम तिथि 11 जुलाई 2025 नजदीक आई तो आरोपियों ने बैनामा करने से इनकार कर दिया और उन्हें धमकाते हुए रकम को भूल जाने के लिए कहा।

इतना ही नहीं, आरोपियों ने 19 मार्च 2024 को फर्जी हश्ताक्षरों के आधार पर अनुबंध निरश्तीकरण पत्र तैयार कर लिया।

शिकायतकर्ता ने ठगी के साथ-साथ आरोपियों पर उनकी और परिजनों की हत्या की साजिश रचने का आरोप भी लगाया। वीर सिंह वर्मा का कहना है कि उन्होंने सिहानी गेट थाने से लेकर पुलिस अफसरों तक से गुहार लगाई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। सीओ नंदग्राम उपासना पांडेय का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर आठ अक्तूबर को छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया गया। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

स्वदेशी मेले में हस्तशिल्प कारीगरों का हुनर देखने को मिलेगा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

शहर में स्वदेशी कला और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 10 से 18 अक्तूबर तक संजय नगर सेक्टर-23 स्थित रामलीला मैदान में लगाया जाएगा।

मेले में देशभर से आने वाले हश्तशिल्प कारीगर, युवा उद्यमी और ग्रामीण स्वावलंबन से जुड़े संगठनों के उत्पादों की प्रदर्शनी देखने को मिलेगी।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने बताया कि मेले का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी वश्तुओं और स्थानीय हश्तकला को बढ़ावा देना है, ताकि कारीगरों को अपने हुनर के प्रदर्शन और बिक्री का मंच मिल सके।

यह मेला न केवल खरीदारी का अवसर देगा, बल्कि यहां भारतीय संस्कृति और पारंपरिक कारीगरी की झलक देखने को मिलेगी। शहरी लोग स्वदेशी वश्तुओं की खरीददारी स्वदेशी मेले से कर सकेंगे। मेले में खादी वस्त्र, जूट उत्पाद, मिट्टी के बर्तन, लकड़ी के खिलौने, हश्तनिर्मित आभूषण, हर्बल उत्पाद, घरेलू सजावटी सामान, ऑर्गेनिक फूड और कई पारंपरिक चीजें उपलब्ध होंगी। विशेष आकर्षण के रूप में प्रदेश के अलग-अलग जिलों के हश्तशिल्प उत्पाद जैसे मुरादाबाद की पीतल कला, बनारस की जरी साड़ी, सहारनपुर की लकड़ी नक्काशी और आगरा की लेदर कला प्रदर्शित की जाएगी। मेले में लगभग 15 से अधिक स्टाल लगाए जाएंगे। इनमें से कई स्टाल महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों के होंगे, जो अपने हाथों से तैयार वश्तुएं प्रदर्शित करेंगे।

शिकायत वापस न लेने पर रास्ते में रोककर हमला किया

एजेंसी संचालक ने हत्या की धमकी दी नंदग्राम पुलिस ने केस दर्ज किया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

नंदग्राम थानाक्षेत्र में स्कूटी की सर्विस कराने के बाद पक्का बिल न देने पर शिकायत करना एक युवक को भारी पड़ गया। एजेंसी मालिक ने साथी के साथ मिलकर पीड़ित पर दिनदहाड़े हमला कर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ने थाने में शिकायत दी।

पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संजयनगर सेक्टर-23 के सूरजमल एनक्लेव में रहने वाले तनुज चौधरी का कहना है कि आठ सितंबर को उन्होंने अपनी स्कूटी की सर्विस ग्राम नंगला फिरोज मोहनपुर स्थित सहलोत बाइक्स एजेंसी पर कराई थी।

जब उन्होंने पक्का बिल मांगा तो एजेंसी मालिक आकाश सहलोत ने गाली-गलौज की। तनुज का कहना है उन्होंने ऑनलाइन भुगतान कर स्कूटी ले ली और 19 सितंबर को एजेंसी की शिकायत आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज करा दी। आरोप है कि शिकायत की जानकारी लगने के बाद सात को उनके पास अनजान नंबर से फोन आया। कॉलर अपना नाम संदीप सहलोत बताते हुए धमकी देने लगा।

सहलोत ने कहा कि वह उन्हें गोली मारकर डीएसपी के सामने पेश हो जाएगा और उन्हें झूठे केस में फंसा देगा। इसके बाद आरोपी ने उनकी लोकेशन पूछी। पीड़ित का कहना है कि इस वह नंगला फिरोज मोहनपुर गांव में ही थे।

दोपहर करीब सवा तीन बजे जब वह गांव से लौट रहे थे तो अटौर गांव से निकलने के बाद उनकी गाड़ी के सामने एक बुलेट आकर रुकी। बाइक पर आकाश सहलोत और संदीप सहलोत थे। दोनों ने उन्हें कार से खींचने की कोशिश की।

आरोपियों ने उन्हें जान से मारने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान लोग इकट्ठा हो गए। जिन्होंने बीच-बचाव कर उन्हें बचाया।

जाते वक्त आरोपियों ने कहा कि अगर तीन दिन में शिकायत वापस नहीं ली तो उन्हें जान से मार देंगे। सीओ नंदग्राम उपासना पांडेय का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को भारतीय किसान यूनियन ने थाने में दिया धरना

✷ **एनसीआर टुडे. किरतपुर** ✷

भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने थाना क्षेत्र के ग्राम गड़ीकपुरा निवासी दो आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाना प्रांगण में धरना दिया। जिससे पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया बाद में मांगे मान ली जाने पर धरना समाप्त कर दिया गया है।

गुरुवार की सुबह भारतीय किसान यूनियन के दर्जनों कार्यकर्ता थाना प्रांगण में इकट्ठा हुए और तीन सूत्रीय मांग पत्र थाना प्रभारी को दिया गया। जिसमें मांग की गई है कि ग्राम गडिकपुरा मर्डर केस में एक महीना बीत जाने के बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़ितों द्वारा पुलिस को पूर्व में भी ज्ञापन दिया गया था। परंतु नामजद आरोपीयो को गिरफ्तार नहीं किया गया। मर्डर करने वालों को शस्त्र लाइसेंस भी जमा नहीं कराए गए है।

इसे लेकर पुलिस की कार्य शैली पर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा मंडावर रोड पर मालन नदी से रेत का अवैध खनन रोजाना हो रहा है। आरोप है कि पुलिस चेकिंग पर अवैध वसूली की जा रही है। नगीना रोड फाटक पर असामाजिक तत्व द्वारा शाम के समय जमावड़ा लगा रहता है। जिसकी वजह से राहगीरों व किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

किसानों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी पुष्पा देवी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दूसरा फरार हो गया उसे भी शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक आरोपी का शस्त्र लाइसेंस थाने में जमा कर लिया गया है।

थाना प्रभारी द्वारा दिए गए आश्वासन पर प्रदर्शनकारी सहमत हो गए और धरना समाप्त कर दिया गया। धरने पर बाबा टिकैत अमर रहे भारतीय किसान यूनियन टिकैत जिंदाबाद के नारे लगाते रहे।

चोरों ने दुकान में हजारों का सामान चुराया

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷

रात को पंजाबी मार्केट स्थित जनरेटर की दुकान में नकब लगाकर चोरों ने

गल्ले में रखी दस हजार रुपए की नगदी सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। दुकान स्वामी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

स्थानीय पंजाबी कॉलोनी निवासी सरदार सुरेंद्र सिंह हुड्डा की पंजाबी मार्केट में खुशी ट्रेडर्स के नाम से जनरेटर सेट आदि सामान बेचने की दुकान हैं। बीती रात चोरों ने छत से जीने में उतरकर दुकान की दीवार में नकब लगाकर दुकान में प्रवेश किया। चोरों दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा और लाइट आदि बंद कर दी। इसके बाद चोरों ने दुकान के गल्ले में रखे हुए लगभग दस हजार रुपए की नगदी और बेरिंग चोरी कर लिये। गुरुवार की सुबह को जब दुकान मालिक दुकान खोलने पहुंचे तो उन्होंने दुकान में नकब लगा देखा और सामान्य इधर उधर बिखरा पड़ा नजर आया। दुकान मालिक सुरेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि चोरों ने सीसीटीवी कैमरा के तार कट दिए और फिर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर शहर इंचार्ज ब्रह्मपाल सिंह मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

मकान में घुसा जहरीला सांप

एनसीआर टुडे. नहटौर। नूरपुर रोड स्थित चांदपुर चुंगी के पास अंकित सैनी के मकान में जहरीला सांप घुस गया। सांप को पकड़ने के लिए उन्होंने सर्पमित्र बी.भास्कर को बुलाया।

उन्होंने सांप को पकड़कर जंगल में छोड दिया।

सर्पमित्र बी.भास्कर ने बताया कि पकड़ा गया सांप रसेल वाइपर प्रजाति है। यह भारत के सबसे घातक और जहरीले सांपों में से एक है। यह सांप फुर्तीला और आक्रामक होता है। इसका जहर हेमोटोक्सिक होता है।

इसके काटने पर नसों में खून के थक्के बनने लगते हैं। समय पर और सही इलाज न मिलने पर मरीज की मौत हो सकती है। उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि सांप के काटने पर झाडफूंक के चक्कर में न पड़कर सीधे सरकारी अस्पताल जाना चाहिए। वहां एंटी स्नेक वेनम हर समय उपलब्ध रहती हैं। उन्होंने सांपों को प्रकृति का मित्र बताते हुए उन्हें कभी न मारने की भी अपील की।

ढाबे पर खाना खाने गए युवकों में विवाद, एक की मौत, फौजी चचेरा भाई गंभीर : तनाव

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

जनपद के हल्दौर थाना क्षेत्र में बीती देर रात नूरपुर रोड स्थित ढाबे पर हुए विवाद में एक युवक की मौत हो गई। , जबकि उसका चचेरा भाई, जो सेना में जवान है, गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक, गांव कड़ा वाजिदपुर निवासी अभिषेक उर्फ सन्नी अपने चचेरे भाइयों हिमांशु (फौजी) और शिवम के साथ हल्दौर क्षेत्र के एक ढाबे पर बुद्धवार की रात करीब साढ़े नो बजे खाना खाने गया था। खाना खाने के बाद बिल को लेकर ढाबे वालो से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

मृतक के भाई द्वारा पुलिस को दी तहरीर में विक्की सहित तीन लोगों को नाम जद किया है। घटना के बाद उपचार के लिए घायल को ले जाते समय मौत हो जाने से आक्रोशित ग्रामीणों ने हल्दौर बालकिशनपुर चौराहे पर शव को रखकर हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जाम लगा दिया। करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद घटनास्थल पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक नगर डॉक्टर कृष्ण गोपाल सिंह एवं पुलिस क्षेत्राधिकार नगर गौतम कुमार राय ने प्रदर्शन कर रहे लोगों के बीच पहुंचकर उन्हें समझा बूझकर मना लिया।

साथ ही शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर जाम खुलवाया ।पुलिस को दी तहरीर में बाजितपुर निवासी शिवम कुमार, उसका चचेरा भाई अभिषेक उर्फ सनी तथा हिमांशु बुधवार की रात्रि ढाबे पर खाना खाने पहुंचे थे। बताया जाता है कि बिजनौर नूरपुर रोड स्थित स्वीट पटियाला शाही ढाबा पर ग्राम खातापुर निवासी विक्की आदि काम करते हैं।

आरोप है कि विक्की द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर अपने साथियों के साथ लोहे की राड, हाथो में लाठी डंडों से लेकर पहुंचकर गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

पीड़ितों नेजान बचाने को 112 नंबर को डायल किया ।शोर सुनकर काफी लोग वहां एकत्र हो गए 112 की मौजूदगी में ही मारपीट का बताई जाती है। आरोप है कि 112 के पुलिस कर्मचारियों ने मृतक के भाई को ही सारी रात थाने में बैठाए रखा। यदि उसे घायल के साथ भेज दिया जाता तो शायद मृतक का जीवन बच सकता था। इस विवाद में फौजी भी गंभीर रूप से घायल है जिसको हायर सेंटर भेजा गया है। आखिर कई घंटे की कड़ी में शकत के बाद अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने जाम खुलवा कर यातायात को सुचारू कराया। पुलिस के खिलाफ आक्रोशित इस जाम में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान ,राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष आचार्य नरेंद्र सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष महावीर सिंह सहित दर्जनों विभिन्न संगठनों के जिम्मेदार लोग मौजूद थे। आखिर आक्रोशित परिजनों को समझाने में अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कृष्ण गोपाल सिंह सफल रहे।

घटना को लेकर गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है, वहीं पुलिस भी अपनी पहली नजर बने हुए हैं। घायल फौजी को गंभीर हालत में मुरादाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने ढाबा संचालक के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, बल्कि मृतक के चचेरे भाई शिवम को रातभर थाने में बैठाए रखा। इससे नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने बालकिशनपुर चौराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मामला दो अलग-अलग जातियों से जुड़ा होने के कारण गांव में तनाव फैल गया है। एहतियातन कई थानों की पुलिस बल मौके पर तैनात कर दी गई है।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में स्वस्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

हैल्थ एंड एजुकेशन प्रमोशन ट्रस्ट (हेप्ट) की ओर से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में स्वस्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा ने हेप्ट की ओर से चलाए जा रहे स्वस्थ नहटौर अभियान के स्टीकर का विमोचन किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मशितष्क वास करता है। सजगता की कमी के कारण कभी कभी हमें बीमारी का पता लास्ट स्टेज में पहुंचकर चलता है। तब हमारे पास पछताने

के अलावा कुछ नहीं बचता। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराते रहने की अपील की ताकि बीमारी का पता लगने पर समय रहते उपचार कराया जा सके। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के भूतपूर्व अध्यक्ष डॉ. विकास त्यागी ने कहा कि ब्लड प्रेशर व शुगर की बीमारी लोगों में तेजी से बढ़ रही है लेकिन लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं जबकि ये दोनों ही बीमारियां जानलेवा हैं। हार्टअटैक, ब्रेन हेमरेज, किडनी फेल्योर इन्हीं के कारण होता है। उन्होंने हेप्ट के प्रयास की सराहना की। कार्यकर्ता संयोजक गिजाल मैहदी, पूर्व प्रधानाचार्य मेजर चरण सिंह शर्मा, बबीता रानी, निशांत कुमार यादव, सुरेंद्र कुमार शर्मा, अमित चौहान, बीपीएम अमित श्रीवाश्तव, बीसीपीएम राजेश कुमार, कामरेड गुलाम साबिर आदि उपस्थित रहे।

बाइक और कार आमने-सामने भिड़ंत में दो बाइक सवार घायल

एनसीआर टुडे. अफजलगढ़। थाना क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग पर विपरीत दिशा से आ रही कार ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद डाला। घायलों को राहगीरों ने सीएचसी भर्ती कराया जहां चिकित्सक ने दोनों युवकों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के ग्राम आसफाबाद चमन निवासी हेमन्त कुमार 19 वर्ष पुत्र योगराज सिंह व निशान्त सिंह 21 वर्ष पुत्र नरेन्द्र सिंह बाइक द्वारा अफजलगढ़ से अपने गांव वापसी कर रहे थे तभी धामपुर की ओर से रॉन्ग साइड से आ रही कार ने आमने-सामने से टक्कर मारकर रौंद डाला। जिससे दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर कर गम्भीर रूप से घायल हो गये। दोनों घायलों को राहगीरों की मदद से सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरि0 मण्डल यांत्रिक इंजीनियर / उत्तर रेलवे, ट्रेनसेट डिपो, शकूरबस्ती, भारत के राष्ट्रपति की ओर से उनके लिए निम्नलिखित कार्य के लिए GeM पोर्टल **(https://gem.gov.in)** पर आमंत्रित की जाती है।

निविदा संख्या	GEM/2025/B/6756535, दिनांक 06.10.2025
कार्य का विवरण	ट्रेनसेट डिपो, शकूरबस्ती के लिए मासिक आधार पर तीन वर्ष की अवधि के लिए 01 एसयूवी और 03 एमयूवी / पिकअप वैन (बहुउद्देशीय उपयोग हेतु) किराए पर लेने का प्रावधान ।
अनुमानित लागत	₹ 1,02,25,512.00 (GST सहित)
बयाना राशि	₹ 2,01,130.00
कार्य अवधि	03 वर्ष
निविदा खुलने की तिथि, समय	27.10.2025, 17:30 बजे
निविदा प्रपत्र डाउन लोड करने के इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा GeM पोर्टल पर उपलब्ध है जो कि है https://gem.gov.in दिनांक 06.10.2025 से प्रभावी है।

सं0 : 25.8.934.DSL.SSB दिनांक : 07.10.2025 3119/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

☛ रेलयात्री कृपया ध्यान दें! ☚

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आगामी त्यौहारों के दौरान रेलगाड़ियों के प्लेटफॉर्मों में अस्थायी बदलाव

आगामी त्यौहारों के मद्देनजर, रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों के प्लेटफॉर्म में दिनांक 05.10.2025 से 30.10.2025 तक निम्नानुसार बदलाव करने का निर्णय लिया हैः-

रेलगाड़ियों की सूची जिनके प्लेटफार्म में निम्नलिखित बदलाव किया जायेगा

क्र. सं.	रेलगाड़ी संख्या	रेलगाड़ी का नाम	आगमन समय	प्रस्थान समय	वर्तमान प्लेटफॉर्म	संशोधित प्लेटफॉर्म
1.	12562	नई दिल्ली – दरभंगा जं.	–	21:15	13	01
2.	12561	दरभंगा जं. – नई दिल्ली	15:45	–	12	07
3.	64418	दिल्ली जं. – गाजियाबाद	निरस्त	निरस्त	–	–
4.	12260	बीकानेर जं. – सियालदह	19:30	19:45	13	09
5.	54473	दिल्ली जं. – सहारनपुर जं.	18:40	18:45	15	04
6.	64110/64429	गाजियाबाद – नई दिल्ली – अलीगढ़ जं.	17:20	18:05	13	10
7.	14324	रोहतक जं. – नई दिल्ली	15:45	–	07	02
8.	12046	चण्डीगढ़ जं. – नई दिल्ली	15:20	–	02	01
9.	64425/64432	गाजियाबाद – नई दिल्ली – गाजियाबाद	13:30	13:50	13	05
10.	12033	कानपुर सेन्ट्रल – नई दिल्ली	11:20	–	02	10
11.	12056/57	देहरादून – नई दिल्ली – दौलतपुर चौक	11:05	14:35	10	02
12.	64052	गाजियाबाद – पलवल	12:38	12:40	02	01
13.	64057	पलवल – गाजियाबाद	12:20	12:22	02	01
इन रेलगाड़ियों के प्लेटफॉर्म में दिनांक 09.10.2025 से 30.10.2025 तक बदलाव हैः-						
1.	12445	नई दिल्ली – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	–	20:50	15	08
2.	12392	नई दिल्ली – राजगीर	–	13:10	08	01

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाईट https://enquiry.indianrail.govin अथवा NTES ऐप देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा – हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

3122/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

भारत-अमरीकी संबंधों का परीक्षा काल

भारत और अमेरिका के रिश्ते दुनिया के सबसे जटिल लेकिन सबसे प्रभावशाली संबंधों में गिने जाते हैं। यह रिश्ता केवल राजनीति या रक्षा समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सबसे मजबूत आधार व्यापार, तकनीक और अर्थव्यवस्था है। आज अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें भारत ने 86.51 बिलियन डॉलर का निर्यात और 45.33 बिलियन डॉलर का आयात किया। यह आंकड़ा दोनों अर्थव्यवस्थाओं की गहराती परस्पर निर्भरता का प्रतीक है। लेकिन इस सहयोगी रिश्ते में समय-समय पर टैरिफ और वीजा जैसे विवाद उभरते रहते हैं। अमेरिका का आरोप है कि भारत विदेशी उत्पादों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाकर अमेरिकी कंपनियों के लिए बाधाएं पैदा करता है, जबकि भारत का कहना है कि यह कदम उसके घरेलू उद्योगों और आर्थिक स्वावलंबन की रक्षा के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो भारत को 'टैरिफ किंग' तक कह दिया और भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ा दिया। इस कदम ने दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा दिया और भारतीय उद्योग जगत में चिंता की लहर दौड़ गई। टैरिफ का असर किसी भी देश के उत्पादन और निर्यात पर सीधा पड़ता है। उत्पादन लागत बढ़ती है, मुनाफा घटता है और बाजार में प्रतिस्पर्धा कम होती है। जब अमेरिका ने भारत के वस्त्र और फार्मा उत्पादों पर शुल्क बढ़ाया, तो इसका असर तुरंत शेयर बाजार पर देखने को मिला, सिर्फ दो दिनों में सेंसेक्स 1555 अंक लुढ़का और निवेशकों को करीब 9.85 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगश्त 2025 में लागू अमेरिकी टैरिफ से भारत का वस्त्र निर्यात 20 से 25 प्रतिशत तक घट सकता है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि भारत केवल निर्यातक नहीं, बल्कि अमेरिकी कंपनियों के लिए विशाल उपभोक्ता बाजार भी है।

अमेजन, एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, पेप्सिको, नाइक और मॅकडॉनल्ड्स जैसी कंपनियां आज भारतीय जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं। इसलिए यदि अमेरिका भारत पर दबाव बनाता है, तो भारत भी इन कंपनियों पर नीतिगत सख्ती के जरिए संतुलन साध सकता है। यही कारण है कि यह टकराव एकतरफा नहीं, बल्कि द्विपक्षीय आर्थिक प्रभाव का मामला है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसकी जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुकी है। इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था को अमेरिका के लिए नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। परंतु आर्थिक मोर्चे के साथ अब एक और बड़ा विवाद उभर आया है, एच-1बी वीजा संकट, 19 सितंबर 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने एक आदेश पर हश्ताक्षर करते हुए एच-1बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि कर दी है।

अब कंपनियों को किसी नए आवेदन या नवीनीकरण के लिए 100000 डॉलर यानी लगभग 88 लाख रुपए अतिरिक्त देने होंगे। पहले से ही महंगे इस वीजा की लागत इतनी बढ़ गई है कि अधिकांश आईटी कंपनियों के लिए इसको वहन करना लगभग असंभव हो जाएगा। दरअसल, हर संकट अपने साथ अवसर भी लेकर आता है।

टैरिफ विवाद यह सिखाता है कि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी हो सकती है। वहीं वीजा विवाद यह संदेश देता है कि भारत को अपने ही देश में वैश्विक श्तर के अवसर और रोजगार पैदा करने होंगे। आत्मनिर्भर भारत का विचार अब केवल नारा नहीं, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता बन चुका है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोगों को गर्व से कहना चाहिए कि मैं स्वदेशी खरीदता हूं। हमें मेड इन इंडिया सामान खरीदना चाहिए। इससे छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा।

हमें आत्मनिर्भरता के राश्ते पर चलना ही होगा। जिन चीजों का निर्माण भारत में किया जा सकता है, उसे यहीं करें। भारत और अमेरिका दोनों के लिए यह रिश्ते तोडऩे का समय नहीं है। अमेरिका को यह समझना होगा कि भारत केवल व्यापारिक साझेदार ही नहीं, बल्कि रणनीतिक और तकनीकी सहयोगी भी है। वहीं भारत को संतुलित नीति अपनानी होगी ताकि घरेलू उद्योगों की रक्षा के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी स्थिति भी मजबूत बनी रहे। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने हाल ही में उम्मीद जताई है कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक नया व्यापार समझौता हो सकता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक ऐसे द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे दोनों को लाभ मिले। उनका मानना है कि भारत को अपने बाजारों को और खोलना चाहिए तथा टैरिफ व अन्य गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना चाहिए ताकि उसका मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और प्रतिस्पर्धी बन सके। सुब्रह्मण्यम ने यह भी चेताया कि यदि दोनों देशों के बीच समझौता नहीं हुआ, तो आने वाले महीनों में स्थिति कठिन हो सकती है। उनका कहना है, 'हम नुकसान में हैं, 50 प्रतिशत टैरिफ से कीमतें बहुत बढ़ जाती हैं, इससे कोई नहीं बच सकता।'

फिर भी उन्होंने आशा जताई कि नवंबर तक यदि समझौता हो गया, तो किसी बड़ी अव्यवस्था से बचा जा सकेगा। वहीं, भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-कतर के बीच 2026 की तीसरी तिमाही तक एक व्यापार समझौते की घोषणा की है, जिससे भारत के कुल व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इन समझौतों से भारत को नए बाजारों तक पहुंच और अमेरिका पर निर्भरता घटाने में मदद मिलेगी।

अंततः भारत.अमेरिका संबंधों की असली बुनियाद संवाद, सहयोग और साझा हितों पर टिकी है। टैरिफ और एच-1बी विवाद हमें हमारी कमजोरियों का एहसास कराते हैं, लेकिन साथ ही आत्मनिर्भरता और विविधीकरण की राह भी दिखाते हैं। यदि दोनों देश संवाद की डोर थामे रखते हैं, तो यह साझेदारी न केवल उनकी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती देगी, बल्कि वैश्विक स्थिरता और विकास में भी नई ऊर्जा का संचार करेगी। अमरीका से संबंध मजबूत बनाने होंगे।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे।

इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं।

बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है।

सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे।

राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई "नया बिहार" बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई "विकसित बिहार" का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं।

इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी 'सुशासन बाबू' की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है।

वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं।

यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में हैं। विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए ओर महागबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है।

पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैंदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की

है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने। बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं।

प्रशांत किशोर की पार्टी 'जनसुराज', तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है।

ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशार की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा।

साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अशित्त्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वाशतविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा। आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा।

क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है।

इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है।

भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबारत लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो।

जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं; जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनादेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता "जाति" नहीं, "न्याय" को चुने; "वादा" नहीं, "विश्वास" को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कहें- "अब की बार, सुशासन और सुधार।"

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं)

कृषि क्षेत्र में जीएसटी की नई दरें किसानों के लिए वरदान

किसान कल्याण केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। खेती सरल हो, उत्पादन की लागत घटे और किसान को अधिक मुनाफा हो, इसके लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। अन्नदाताओं का जीवन बदलना और कृषि को विकसित बनाना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का लक्ष्य भी है और संकल्प भी।

उनके निर्णयों, नीतियों और योजनाओं के केंद्र में हमेशा किसान रहते हैं। हाल ही में जीएसटी परिषद द्वारा किए गए संशोधन इसी किसान हितैषी सोच को दर्शाते हैं। स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जीएसटी में नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म का जो संकल्प लिया थाआज वह नए भारत की समृद्धि का आधार बन रहा है। देश की आम जनता और किसानों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जीएसटी दरों में व्यापक सुधार किए गए हैं।

यह सुधार हमारी कृषि व्यवस्था को गति और किसानों को प्रगति देने वाले हैं। इन सुधारों से देश के 10 करोड़ से अधिक सीमांत किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। पहले जहां कृषि उपकरणों पर 18% तक जीएसटी देना पड़ता था, अब यह दर घटाकर केवल 5% कर दी गई है। इसका मतलब है कि हर किसान की जेब में हजारों रुपये की सीधी बचत होगी।

उदाहरण के लिए, अगर कोई किसान 35 हॉर्सपावर का ट्रैक्टर खरीदता था तो पहले उसे लगभग 6.5 लाख रुपये (अनुमानित) खर्च करने पड़ते थे। अब यही ट्रैक्टर करीब 6.09 लाख रुपये में मिलेगा और किसान को लगभग 41 हजार रुपये की बचत होगी।

45 एचपी ट्रैक्टर पर करीब 45 हजार रुपये और 50 एचपीट्रैक्टर पर 53 हजार रुपये की सीधी बचत होगी। 75 एचपी ट्रैक्टर पर किसानों को लगभग 63 हजार रुपये का लाभ होगा। सिर्फ ट्रैक्टर ही नहीं, पावर टिलर पर करीब 12 हजार, धान रोपण यंत्र पर 15 हजार और थ्रेशर पर लगभग 14 हजार रुपये की बचतहोगी। पावर वीडर और सीड-ड्रिल जैसे उपकरणों पर भी 5 से 10 हजार रुपये तक की बचत होगी। नए सुधारों से कटाई और बुवाई की बड़ी मशीनें भी किसानों को सस्ते दरों पर उपलब्ध हो सकेंगी। 14 फीट कटर बार पर लगभग 1.87 लाख रुपये, स्क्वायरबेलर पर लगभग 94 हजार रुपये और स्ट्रॉरीपर पर करीब 22 हजार रुपये किसानों की जेब में बचेंगे। मल्चर, सुपरसीडर, हैप्पीसीडर और स्प्रेयर भी अब पहले से सस्ते हो गए हैं।

कृषि को अधिक लाभदायक बनाने के लिए मशीनीकरण आवश्यक है। स्प्रिंकलर, ड्रिपइरिगेशन, कटाई मशीन, हाइड्रोलिकपंप और कलपुर्जों पर टैक्स घटने से अब सीमांत किसान भी आसानी से आधुनिक उपकरण खरीद पाएंगे। इससे श्रम लागत कम होगी, समय बचेगा और उत्पादकता बढ़ेगी।

खेती के खर्च में कमी आने से स्वाभाविक रूप से किसान की आमदनी में वृद्धि होगी। ये अनुमानित कीमतें हैं। कंपनियों और राज्यों की नीतियों के आधार पर थोड़ी-बहुत भिन्नता संभव है, लेकिन यह तय है कि किसानों की लागत घटेगी और फायदा निश्चित मिलेगा।

हमारा हर कदम किसानों की समृद्धि के लिए है। किसानों को घटी हुई दरों का लाभ तुरंत मिले, इसके लिए मैंने कृषि मशीन निर्माताओं के संघों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की। यह सुधार केवल किसानों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की आर्थिक संपन्नता और आत्मनिर्भरता के लिए अभिनंदनीय कदम है। कृषि की लागत घटने से किसान अपनी उपज से अधिक लाभ कमा पाएंगे जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि होगी।

इसका सकारात्मक असर लघु और कुटीर उद्योगों पर भी पड़ेगा, क्योंकि उन्हें कच्चा माल सश्ते में उपलब्ध होगा और उत्पादन लागत घटेगी। साथ ही एमएसएमई क्षेत्रों को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कृषि और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक हैं। मधुमक्खी पालन, डेयरी, पशुपालन और सहकारी समितियों को GST में जो छूट दी गई है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई समृद्धि आएगी। जब किसानों के खर्च कम होंगे और उनकी आय बढ़ेगीतो वे अपनी जीवनशैली, शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक निवेश कर सकेंगे, जिससे जीवन का चहुंमुखी विकास संभव होगा।

जैविक खेती और प्राकृतिक खेती के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विशेष बल रहता है। आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि की ओर बढ़ रही है, ऐसे में हमारे किसानों को सश्ते दामों पर जैव-कीटनाशकों और सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए GST 12% से घटाकर 5% किया गया है।

इससे किसान रासायनिक उर्वरकों पर निर्भर रहने के बजाय धीरे-धीरे जैविक उर्वरकों की ओर बढ़ेंगे। मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी, धरती माँ का स्वास्थ्य सुधरेगा और साथ ही किसानों की लागत भी कम होगी। हमारे देश के किसानों की जोत का आकार छोटा है इसलिए हम इंटीग्रेटेडफार्मिंग और कृषि संबद्ध क्षेत्रों को प्रोत्साहित कर रहे हैं ताकि किसानों की आय तेजी से बढ़े। सरकार का स्पष्ट मानना है कि किसानों के जीवन में समृद्धि का उजाला लाने के लिए मूल्य संवर्धन भी आवश्यक है। जीएसटी सुधारों से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को राहत मिली है। कोल्डस्टोरेज और प्रोसेसिंगयूनिट्स में निवेश बढ़ने से किसानों की उपज लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी और प्रसंस्करण के बाद उसे बेहतर दाम मिलेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हमेशा कहा है कि वे किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों के विरुद्ध किसी भी नीति और समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे। आज का यह सुधार उसी संकल्प का प्रमाण है। इससे हमारी विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता घटेगी और 'मेक इन इंडिया' व 'आत्मनिर्भर भारत' को बल मिलेगा।

ग्रामीण भारत की समृद्धि का आधार स्वयं सहायता समूह की हमारी बहनें हैं। जीएसटी सुधारों से इन समूहों और एमएसएमई की लागत घटेगी, जिससे गाँव और कस्बों में छोटे उद्योग पनपेंगे। ग्रामीण उद्योगों और स्टार्टअप्स के लिए गांवों में प्रसंस्करण ईकाइयाँ, भंडारण और परिवहन सुविधाएँ विकसित होने से विकसित और आत्मनिर्भर भारत को नई दिशा मिलेगी। कर घटने से बिक्री बढ़ेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवा अपने गाँव में रहकर ही आत्मनिर्भर बन पाएंगे। मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूँ कि ये सुधार, स्वदेशी से समृद्धि के संकल्प को सार्थक करेंगे जिससे हमारी अर्थव्यवस्था "लॉन्ग लिव इकॉनमी" बनेगी।

ये सुधार केवल कर की दर घटाने भर का निर्णय नहीं हैं, बल्कि किसान, छोटे व्यापारी, पशुपालक, मछुआरे और कुटीर उद्योग चलाने वाली बहनों के जीवन में नई ऊर्जा भरने का पुण्य प्रयास है। हमारी सरकार 'सबका साथ-सबका विकास' और अंत्योदय के संकल्प के साथ यही सिद्ध कर रही है कि खेत-खलिहान की खुशहाली ही राष्ट्र की प्रगति का पर्याय है। अबकी बार पूरा देश 'स्वदेशी से समृद्धि' के संकल्प के साथ दीपावली मनाएगा।

घर-घर स्वावलंबन के दीप जलेंगे, कुटीर उद्योगों से जय स्वदेशी का मंगल स्वर गूंजेगा और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारे किसान विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करेंगे।

गांधी परिवार के ये वंशज कांग्रेस के खोए गौरव को लौटाने हिंदी क्षेत्र की धूल फांक रहा

कांतिलाल मांडोत

प्रियंका गांधी की सक्रिय राजनीति में उतारने की कांग्रेस संगठन के युवा कार्यकर्ताओ और पुराने कांग्रेसियों के आग्रह को भले ही नई रोशनी मिल गई। परन्तु अपनी पार्टी कांग्रेस के पारंपरिक और पुश्तैनी क्षेत्र की किलेबंदी कर उसे सैफ बनाने की जो मशक्कत की, वह कामयाब नही हो सकी। प्रियंका की बेहद मशक्कत भरी सक्रियता और उसकी सभाओं में भीड़ उमड़ी थी।

भीड़ ने कांग्रेसियों को कुछ वक्त के लिए चुनावी मोहपाश में बांध दिया। तब यह अटकलें लगाई गई कि प्रियंका में इंदिरा का अक्सदिखाई देता है। प्रियंका राजनैतिक दृष्टिकोण बदलने के लिए परिवर्तन करेगी। लेकिन उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री पद का दावा करने वाली कांग्रेस की झोली में दो सीट ही मिली। रायबरेली और अमेठी की विधानसभा और लोकसभा कांग्रेस की सीटें पारम्परिक सीटे मानी जाती रही है।

खानदान की उपलब्धियों से लैस गांधी परिवार का यह वंशज राहुल कांग्रेस के खोए गौरव को लौटाने के लिए उत्तरप्रदेश और अब बिहार की धूल फांक रहे है। लेकिन सफलता दूर की कौड़ी साबित हो रही है। जवाहरलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक परिवार की गाथा ऐसे छा जाने पात्रो से भरी है जिन्होंने देश को अपने नजरिए और मोहपाश से बांधे रखा है।

परंतु कांग्रेस की जनाधार खिसकने के पीछे कई कारण है। खानदान राहुल का बेहतरीन प्रदर्शन कार्ड है। गांधी परिवार के वंशज के पास ऐसे राज्य को देने के लिए यही सबकुछ है। क्योंकि उत्तरप्रदेश में जैसी स्थिति अभी वर्तमान में है, वैसी ही स्थिति कांग्रेस की बिहार में है। कांग्रेस भी अब ऊब चुके है। कांग्रेस के दिग्गज नेता भी यह समझने लगे है कि कांग्रेस अब कोई ताकत नही रही है। पुरखो ने आजादी के बाद देश मे सबसे ज्यादा शासन किया। कांग्रेस एक ऐसी विरासत थी कि लोकतंत्र के इतिहास में इनका कोई सानी नही था।

राहुल नाम का ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में कांग्रेस ने उतार दिया गया। वोटनीति और वोट चोरी के इस मुद्दे को हवा देने के लिए बिहार में यात्रा का दौर चला। इसके साथ तेजस्वी ने होहल्ला बोला। लेकिन कुछ समय के बाद दोनों दलों के राश्ते अलग थलग हो गए। राहुल के ऊपर कांग्रेसियों की उम्मीदें बेहिसाब है।

पिछले विधानसभा चुनाव में यूपी की सभी सीटे कांग्रेस के हाथ से निकल चुकी थी। इसे चुनौती मानकर प्रियंका वाड्रा को मैदान में उतारा गया था। प्रियंका और राहुल के इन चुनावों में आक्रामक मुद्रा में दिखाई पड़ना कांग्रेस कार्यकर्ताओं के ठंडे पड़े उत्साह को नई दिशा देने में कामयाब रहने की चौखट पर पँहुचने के पूर्व ही कार्यकर्ताओ द्वारा गलत शब्दों का उच्चारण कर दिया। जिससे बनी बनाई बाजी बिगड़ गई है।

बिहार से मोदी की माँ पर टिप्पणी करने से इन दलों की साख दांव पर लग गई। प्रियंका अपने गांधी कार्ड के बूते महाराज गंज से मोदी को चुनौती दी। उस दौर में कांग्रेसी बहुत खुश हुए। जब परिणाम विपरीत आया तो औंधे मुंह लटक गए। कांग्रेस का रवैया कांग्रेस के प्रति भेदभाव वाला रहा है। कांग्रेस के कार्यकाल में किसानों की दुर्दशा का जिम्मेवार कांग्रेस ही है। कांग्रेस ने विकास के कार्यो को नही होने दिया।

क़ानून व्यवस्था की बदहाली और तुष्टिकरण की नीतियों ने कांग्रेस को रसातल में पहुंचा दिया है। कांग्रेस के गठबंधन से कई राज्यो में उभरे असंतोष के लिए प्रियंका की पहल और गठबंधन के लाभों तथा सीटों को लेकर हर समय असमंजस की स्थिति बन जाती है। बिहार चुनाव में राहुल और प्रियंका को जवाबदेही सौंप कर कांग्रेसी नेता निश्चिंत हो गए है। हार जीत का ठीकरा नेताओ के सिर नही फूटे, उससे उनकी साख बचाने के लिए पूरी जिम्मेदारी राहुल और प्रियंका के सिर पर डाल रखी है। कांग्रेस को अब भी राहुल और प्रियंका में उम्मीद की किरण दिखाई देती है। बारबार मु द्ा वि ही न राजनीति से पराश्त होने वाली कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए। बिना हथियार के चुनाव मैदान में उतरने वाले अक्सर पराजय का ही मुह देखते है।

कांग्रेस के पास कोई विजन नही है। कांग्रेस के पास विकास के मुद्दे नही है। जिस तरह से बिहार में ओबीसी, दलित का कार्ड खेलने निकली कांग्रेस की उम्मीदों पर उस समय पानी फिर गया, जब रोजगार की उपलब्धता पर बिहार की नीतीश सरकार ने दस दस हजार की व्यसायिक मदद की गई। रोजगार में सगलता मिलने के बाद दो लाख देने की घोषणा कर दी। बिहार में बेटे बेटियों के प्रतिष्ठा के बीच मतदाताओ के समक्ष सवालिया निशान छोड़ गया है।

लेकिन कांग्रेस की उम्मीदें धराशायी नही हुई है। जिस तन्मयता से राहुल और प्रियंका बिहार की राजनीति में धुआंधार बेटिंग करेंगे, उससे कांग्रेसियों के लिए खुसी और उत्साह का क्षण होगा। रास्ट्रीय श्तर की आकांक्षाए लिए गांधी परिवार का वारिस होने के साथ मेल भी है। राहुल के पास ऐसा कोई सहायक नही, जिसे चेहरा बनाकर पेश कर सके। 30 साल के कांग्रेस की सरकार नही है तो वजह यही है कि पार्टी इस क्षेत्र में कोई नेता नही पनपा सकी। बिहार में बीस साल से भाजपा और जेडीयू की गठबंधन की सरकार है।

नीतीश कुमार की बिहार में पकड़ अच्छी है। शायद फिर से कांग्रेस जगह बना पाती, लेकिन भूतकाल कांग्रेस का बिगड़ा हुआ रहा है। अराजकता, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था से जनता त्राहिमाम पुकार उठती थी। कांग्रेस को गांवो में निरक्षर ग्रामीण हाथ वाली सरकार कहते थे। निरक्षर ग्रामीणों के मन मे कांग्रेस की अमिट छाप थी।

लेकिन कांग्रेस की शासन प्रणाली मतदाताओ के मन पर चोट करतेहुए गए। जिससे कांग्रेस की सरकार का उदय नही हो पा रहा है। गणतंत्र को आधुनिक रूप देने वाले नेहरू भले ही उनकी अलोचना का प्रतिशत अधिक रहा हो, परन्तु वे नारा लगाने वाले नेता नही थे। सिंडिकेट के घाघ बूढो को मात देकर इंदिरा ने देश में महान नेत्री के पंथ का मंच तैयार किया।

राहुल अपने पुरखों की याद ताजा करके जीते जागते इंसानों में उम्मीदे जगाकर, अपने पुरखों की समृद्ध की गई पटकथा सुना रहे है। लेकिन अभी तक राहुल की सफलता कोसो दूर है। नेहरु खादीधारी थे। प्रियंका हैंडलूम धारी है। नेहरू में साहस था। लेकिन इस पीढ़ी में वह नही दिखता। इस पीढ़ी ने उन लक्षणों को पकड़ रखा है जो किसी ने समझा दिया है। अपनी समझ तो प्रयोग से आती है। प्रयोग हमेशा ही जोखिम भरा होता है।

नेहरू वंश की इस पीढ़ी में जोखिम उठाने की हिम्मत नही है। अगर हिमत होती तो प्रियंका गांधी को अपनी हिचक छोड़ देनी चाहिए थी। राजीव गांधी कोई परम्परा नही डाल पाए। इंदिरा गांधी की ही बनाई लीक पर परिवार चल रहा है। जिसमें राजनीति की समझवाली मेनका गांधी के लिए कोई जगह नहीं है।

जब उनके लिए जगह ही नही बची तो वरुण गांधी चाहे भी तो अपने लिए कांग्रेस में ठौर नही तलाश सकते है दोनो भाइयों के विचार एक दूसरे से नही मिलते है। नेहरू वंश की परंपरा में सोनिया गांधी एक दुर्घटना है। वह कांग्रेस को रेल की पटरी समझती थी। यह कांग्रेस की विडंबना है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेलः todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

भीषण आग लगने से बाल-बाल बचे दंपति

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना क्वार्सी क्षेत्र के जमालपुर स्थित बर्तन व्यापारी के घर में भीषण आग लगने के कारण अफरा-तफरी मच गई। आग लगने से व्यापारी व उनकी पत्नी ने बमुश्किल बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। जिसके बाद लोगों की मदद से आग को बुझाने का प्रयास किया।

बाद में दमकल की पांच गाड़ियां पहुंची। तब जाकर करीब आधा घंटा बाद आग पर काबू पाया जा सका। इसमें लाखों का सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जमालपुर ईदगाह के सामने रहने वाले मोहम्मद जाहिद के घर के नीचे बिस्लिम एजेंसीज के नाम से बर्तन व किचनवेयर की दुकान है। ऊपरी तल पर गोदाम बना हुआ है। इसी तल पर उनका परिवार रहता है।

जाहिद ने बताया कि रोज की तरह बच्चों को स्कूल के लिए भेजने के बाद उनकी पत्नी कमरे में सो रही थीं। तभी अचानक बिजली चली गई। इन्वर्टर होने के बावजूद बिजली चली जाने पर हैरानी हुई। बाहर आकर देखा तो कमरे से धुआं निकलने लगा और आग लग गई। जाहिद पत्नी को लेकर दुकान के राश्ते से बाहर आए। सबमर्सिबल न चलने के चलते टंकी स पानी भरकर डाला।

आसपास के लोग भी जुट गई। जानकारी पर सीएफओ मुकेश कुमार, बन्नादेवी फायर स्टेशन प्रभारी संजीव कुमार सिंह पहुंच गए। इसके बाद आग को बुझाया जा सका। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। वहीं, दुकान मालिक नुकसान का आंकलन कर रहे हैं।

त्यौहारों, परीक्षाओं को लेकर एलआईयू खुफिया तंत्र हो सक्रिय: ड़ीएम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में स्थानीय अभिसूचना इकाई के अधिकारियों एवं उप निरीक्षकों की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में जिले की विधि-व्यवस्था, सामाजिक समरसता, आगामी त्यौहारों, परीक्षाओं एवं जिले में संचालित प्रमुख गतिविधियों से संबंधित खुफिया सूचनाओं की समीक्षा की गई।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अलीगढ़ जैसे संवेदनशील जिले में खुफिया तंत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, अतः प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र में पूरी सतर्कता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय श्तर पर छोटी-छोटी सूचनाओं को भी गंभीरता से लिया जाए और प्रशासन को तत्काल अवगत कराया जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने एलआईयू अधिकारियों से कहा कि फील्ड विजिट नियमित रूप से करें, स्थानीय जनता, जनप्रतिनिधियों, शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों से निरंतर संवाद बनाए रखें। डीएम ने यह भी निर्देश दिए कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक या उत्तेजक सूचनाओं पर विशेष नजर रखी जाए और संबंधित प्रकरणों की रिपोर्ट शीघ्र प्रेषित की जाए। बैठक में एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट एवं पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

मकान की छत गिरने से गर्भवती महिला घायल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना गोंडा क्षेत्र में टंकी मोहल्ला में मकान में बने कमरे की छत भरभराकर गिर गई। जिसमें नौ माह की गर्भवती मलबे में दब गई। पड़ोसियों की मदद से आनन-फानन मलबे से निकाल कर घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भेजा गया है। टंकी मोहल्ला निवासी वीरपाल सिंह मजदूरी करते हैं। उनकी 31 वर्षीय नौ माह की गर्भवती पत्नी गुड़िया का एक-दो दिन में ही प्रसव होना है। परिवार मे 11 वर्ष का पुत्र प्रीत है। 9 अक्तूबर सुबह करीब नौ बजे गुड़िया ने पति के लिए खाना बनाया और कमरे में जाकर चारपाई पर लेट गई। पति उस समय बरामदे में मौजूद था। उनका पुत्र प्रीत स्कूल गया हुआ था। अचानक से कमरे की छत भरभराकर नीचे आ गिरी और चारपाई पर लेटी गुड़िया मलबे में दब गई।

पति ने घटना को देख शोर मचा दिया। जिस पर पड़ोसी वहां पहुंच गए और आनन-फानन महिला को मलबे से निकाल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा गया। जहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अधीक्षक डा नितिन अडाना ने बताया कि महिला के आंतरिक चोटें आई हैं, उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

बाल विवाह से होता है बालिकाओं का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत गुरुवार को चिरंजी लाल कन्या इंटर कॉलेज में बाल विवाह पर चर्चा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के प्रति चेतना और आत्मविश्वास का संचार करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों एवं प्रोबेशन विभाग के अधिकारियों ने बाल विवाह की कानूनी स्थिति, इसके दुष्प्रभाव और रोकथाम के उपायों पर विश्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह से न केवल बालिकाओं का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है, बल्कि उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। यह बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी अजित कुमार ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि मिशन शक्ति का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन तभी संभव है जब प्रत्येक बालिका अपने अधिकारों को जाने और गलत प्रथाओं के विरुद्ध आवाज उठाए। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि यदि उनके आसपास किसी नाबालिग का विवाह कराए जाने की जानकारी मिले, तो तुरंत महिला हेल्पलाइन 1090, महिला आपातकालीन सेवा 181 या बाल सहायता नंबर 1098 पर सूचना दें। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षिकाओं और बड़ी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्राओं ने बाल विवाह रोकथाम की शपथ ली और समाज में इस बुराई के उन्मूलन के लिए जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

छात्रों को एआई, रोबोटिक्स एवं ड्रोन तकनीक की जानकारी दी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

डासना स्थित सुंदरदीप कॉलेज में गुरुवार को बीसीए एवं बीटेक छात्रों को डयूकेट कंपनी का औद्योगिक भ्रमण कराया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना था। भ्रमण के पहले सत्र में छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग की महत्ता तथा वैश्विक श्तर पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही प्रायोगिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

दुकानों में मिला बारूद, सुतली बम और पटाखों का जखीरा

सर्च एंड सीजर ऑपरेशन चला : 12 हिरासत में

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में मेस्टन रोड के बिसातखाना की गलियों में बनी दुकानों में पुलिस ने सारी रात सर्च एंड सीजर ऑपरेशन चलाया। तीन दुकानों में पटाखे, बारूद, सुतली बम और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। एक दुकान में कपड़ों के ढेर में पटाखे छुपाकर रखे गए थे। उनके मालिकों और संचालकों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने 12 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

विस्फोट के बाद पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने विस्फोट के कारणों को पूछा। मौके पर पटाखों के अंश और पटाखे वाली बंदूक बिखरी देखकर थाना पुलिस और एलआईयू पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बिना इजाजत के क्षेत्र में पटाखे बेचे जा रहे थे और उनका भंडारण हुआ। आखिर इसकी जानकारी जिम्मेदारों को क्यों नहीं हुई। उन्होंने सर्च एंड सीजर ऑपरेशन का निर्देश दिया।

पांच दुकानों के शटर व ताले कटवाए : मूलगंज और कोतवाली पुलिस के साथ अन्य थानों का फोर्स और पीएसी लगवाकर जांच कराई। शुरुआत में पुलिस ने क्षेत्र के लोगों से दुकानें खोलकर जांच कराने की अपील की, लेकिन कोई आगे नहीं आया। पुलिस कमिश्नर बिसातखाना की गली में कुर्सी डालकर बैठ गए। उन्होंने पुलिसकर्मियों ने शटर कटवाने के निर्देश दिए। पुलिसकर्मियों ने पांच दुकानों के शटर व ताले कटवाए, जिसमें से तीन में पटाखे, बारूद और सुतली बम मिले हैं। एक दुकानों में कपड़ों के साथ पटाखे छुपाकर रखे गए थे। उनके संचालकों और कार्य करने वालों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

डीजीपी ने पुलिस कमिश्नर से जाने हालात : घटना के बाद डीजीपी राजीव कृष्ण ने पुलिस कमिश्नर से हाल जाना। वहां की स्थिति और कार्रवाई का ब्योरा लिया। एडीजी एटीएस, एडीजी सिक्योरिटी समेत अन्य अधिकारियों ने पुलिस कमिश्नर से जानकारी जुटाई। सूत्र बताते हैं कि एनआईए के अधिकारियों की ओर से भी विस्फोट के संबंध में रिपोर्ट ली गई।

दुकानों के बाहर लगे पैनल में उतरा करंट : विस्फोट के बाद बिसातखाना की दुकानों के बाहर बिजली के पैनल में करंट आ गया। कुछ लोगों का कहना है कि फायर ब्रिगेड के वाहनों ने पानी का छिड़काव किया था जिसके बाद पैनल में करंट आने लगा था। पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों को किनारे कराया गया।

ममेरे भाई की हत्या के आरोपी को जेल भेजा

अलीगढ़ , एजेंसी। रहसूपुर गांव में सोमवार रात हुई ममेरे भाई देवराज उर्फ देवू की हत्या के आरोपी बंटी को पुलिस ने बुधवार को न्यायालय में पेश किया और वहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी लगातार एक ही बात दोहराता रहा कि देवू उसके विरोधियों से मिल गया था और उससे उसे जान को खतरा बना हुआ था। घटना से पहले भी दो लोगों ने उसका दरवाजा खटखटाया था।

विजयगढ़ के गांव भटौली निवासी देवराज उर्फ देवू सोमवार को शाम रहसूपुर में अपने फुफेरे भाई बंटी के यहां आया था, जहां रात में बंटी ने उसे पहले गोली मारी, फिर फरसे से गला काट दिया था। पुलिस के अनुसार बंटी मूलरूप से थाना पहासू जिला बुलंदशहर का रहने वाला है और 17 साल पहले वहां हुई एक युवक की हत्या में जेल गया था। इस मामले में वह करीब ढाई साल पहले सजा काटने के बाद जेल से रिहा हुआ और उसके बाद अपने पैतृक गांव की संपत्ति बेचकर ससुराल रहसूपुर में बस गया था। जेल में सजा काटने के दौरान उसने हैंडलूम का काम सीखा था और जेल से मिली मशीन घर पर लगा रखी थी।सीओ राजीव द्विवेदी ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपी लगातार यही बात दोहराता रहा है कि रिहा होकर आने के बाद दूसरे पक्ष के लोग उसकी हत्या कराना चाहते थे, जिसके चलते उसने अपनी संपत्ति बेच दी थी। उसका ममेरा भाई देवू विपक्षियों से मिला हुआ था और अक्सर अपने साथ अजनबी लोगों के लेकर गांव आता-जाता रहता था।

सोमवार को घटना की रात देवू साढ़े आठ बजे करीब घर आया था, जो अपने साथ शराब लेकर आया था, दोनों ने शराब पीकर खाना खाया। बंटी ने बताया कि घटना से पहले रात में दो अजनबी लोगों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। इससे उसे यकीन हो गया कि देवू उसे मरवा देगा, तो अपनी जान बचाने के लिए उसने देवू को मार डाला।

दबंग चाचा ने कीमती जमीन पर किया कब्जा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

दबंग चाचा द्वारा भतीजे की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया है जिसकों लेकर पीड़ति व्यक्ति ने जिलाधिकारी संजीव रंजन से न्याय की गुहार लगाई है। तहसील खैर क्षेत्र के ग्राम अंडला निवासी वीरेश कुमार रावत पुत्र ज्वाला प्रसाद रावत ने एक प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी को देकर आरोप लगाया है कि उसके चाचा जगन्नाथ रावत ने दबंगई से कीमती जमीन पर कब्जा कर लिया है और कम कीमत की जमीन हमारे लिए छोड़ दी है। एक प्लांट का वैनामा नीतू पत्नी जयकशोर के नाम कर दिया है।

शामिल खाता होने के बावजूद अभी सरकारी बटवारा नहीं हुआ है जब सरकारी बंटवारे की कहते हैं तो दबंग चाचा मना कर देता है। पीड़ित ने एक प्रार्थना पत्र पूर्व में उपजिलाधिकारी खैर द्वारा आदेश किया गया था कि बगैर सरकारी बंटवारे या जमीन को खुर्द वुर्द न बिक्री की जाए एसडीएम कोर्ट न्यायालय की अवहेलना करते हुए न्यायालय का उल्लंघन किया गया है। बिक्री की गई जमीन के अवैध बैनामा के खिलाफ पीड़ति ने सिविल न्यायालय में खारिज का मुकदमा डाला है जो कोर्ट में विचाराधीन है। पीड़ति के पुत्र उमेश रावत ने जानकारी देते हुए बताया कोई भी व्यक्ति विवादित भूमि को खरीदता है तो अपने नफा और नुकसान का स्वयं जिम्मेदार होगा। सिविल कोर्ट में खारिज करने का मुकदमा विचारधीन है,जल्द ही अवैध बैनामा खारिज कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने पीड़ित को कार्रवाई के लिए भरोसा दिया है और खैर उपजिलाधिकारी को कार्रवाई के लिए आदेश दिए हैं। जल्द ही दबंग चाचा व उसके उक्त साथियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में हड़ताल पर गए आउटसोर्सिंग कर्मचारी, सेवाएं ठप

देवरिया , एजेंसी। महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज में आउटसोर्सिंग कर्मचारी बृहस्पतिवार की सुबह हड़ताल पर चले गए। इससे सभी जरूरी सेवाएं ठप हो गई। कर्मचारी वेतन मिलने के बाद ही काम पर लौटने की बात कह रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज में अधिकांश सेवाएं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के भरोसे संचालित होती हैं। इनकी आपूर्ति जयंत मल्टीपरपज और एक अन्य कंपनी करती है। इसमें जयंत मल्टीपरपज सर्विसेज से 36 कर्मचारी नियुक्त हैं इन कर्मचारियों को जुलाई 2025 से वेतन नहीं मिला है। बार-बार बुखार करने के बावजूद भी सैलरी नहीं मिली तो कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। उनके समर्थन में दूसरी कंपनी के करीब ढाई सौ कर्मचारी भी उतर आए।

इसके चलते रोगी पंजीकरण काउंटर ठप हो गया। एक्सरे की सेवाएं बंद हो गई। वार्ड से लेकर ओपीडी तक आउटसोर्सिंग का एक भी कर्मचारी नजर नहीं आया। परिणाम स्वरूप सभी काम ठप हो गए। रोगी और उनके परिजन पर्ची बनवाने के लिए काउंटर पर सुबह 6:00 बजे से ही कतार में खड़े हैं।8:00 बजे काउंटर खुलने के समय से लेकर अब तक पर्ची नहीं बनी है। इसके चलते करीब 1 घंटे से अधिक समय से लोग अपना पंजीकरण कराने के लिए परेशान है पंजीकरण नहीं होने से ओपीडी में डॉक्टर मरीज के इंतजार में खाली बैठे हैं कुछ पुराने मरीज ही दिखा पा रहे हैं।

काशी विद्यापीठ और संस्कृत विश्वविद्यालय की शर्मनाक रैंकिंग से पीएम आहत, दीक्षांत समारोह में बोलीं राज्यपाल

वाराणसी , एजेंसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय की नैक में ए ग्रेडिंग न आने पर कुलाधिपति और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने नाराजगी जताई। काशी विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में मंच से उन्होंने यहां तक कह डाला कि प्रधानमंत्री ने जब नैक की रिपोर्ट मंगवाई तो रैंकिंग ए ग्रेड न मिलने से बहुत आहत हुए। शासन, राजभवन से विश्वविद्यालय को सभी सुविधाएं दिलवाई जा रही हैं, पीएम का संसदीय क्षेत्र भी है, इसके बाद भी दोनों विश्वविद्यालयों का प्रदर्शन खराब रहा। ए ग्रेडिंग न मिलना शर्मनाक है।

रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में काशी विद्यापीठ के 47वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने कहा कि सभी तरह की सुविधाओं के बाद भी बी ग्रेड मिल सका। जब हर तरह की सुविधाएं दिलवाई जा रही हैं, तो क्या कमी रह गई है, यह भी कुलपति को बताना होगा। यह भी चिंता का विषय है कि कहीं छात्र क्लास नहीं करना चाहते हैं तो शिक्षक भी पढ़ाने के लिए क्लास में नहीं जाते हैं।

हॉस्टलों की स्थिति बेहद खराब : यहीं नहीं उन्होंने छात्रावासों की स्थिति को भी चिंताजनक बताया। कहा कि हॉस्टलों की स्थिति बेहद खराब है। इसको सुधारने की दिशा में काम करते रहने की जरूरत हैं। यहां छात्रावासों की जो स्थिति हैं, उसमें नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की झलक नहीं दिखती है। हालांकि उन्होंने कह भी कहा कि थर्ड जेंडर को उपाधियां मिलना अच्छी बात है।

छात्रावासों में रहते हैं बाहरी छात्र, मिलतीं हैं शराब की बोतलें : राज्यपाल ने कहा कि छात्रावासों में बाहरी छात्र रहते हैं। यहां ड्रग्स आ रबी है, दारू की बोतलें आ रहीं हैं। छात्र खाली बॉटल बाहर फेंक रहे हैं, उसकी फोटो भी मेरे पास है। इस तरह की स्थिति सभी यूनिवर्सिटी की है। जब छात्रावास में रहने और खाने के लिए पैसा दिया तो मेस चलाने वाला भाग कैसे गया। इस पर विश्वविद्यालय की ओर से मुकदमा क्यों नहीं करवाया गया। समाज कल्याण के हॉस्टल में विद्यार्थी नहीं बाहर के लोग रहते हैं। पुलिस की मदद से खाली करवाया जाएगा। शोध छात्रावास भी खाली करवाया जाएगा। जिम चलने के लायक नहीं है। महात्मा गांधी के नाम पर विद्यापीठ बना है, पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र का विश्वविद्यालय हैं लेकिन यहां हॉस्टल में सफाई नहीं होती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की रामलला की आरती, भव्यता देख हुईं भावविभोर

लखनऊ , एजेंसी। प्रभु श्रीराम की नगरी में बृहस्पतिवार सुबह भक्ति और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला, जब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सुबह छह बजे श्रीरामलला की श्रृंगार आरती में सहभागिता की। आरती के दौरान उन्होंने श्रद्धा से आराध्य के दर्शन किए और मंदिर की दिव्यता और भव्यता को निहारा। इस दौरान प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही मौजूद रहे।

आरती के बाद उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में होने वाले ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों पर चर्चा की।

बैठक में राम मंदिर भवन निर्माण समिति अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय भी मौजूद रहे।

मंदिर परिसर में चल रही तैयारियों का जायजा लेते हुए उन्होंने व्यवस्था की सराहना की और कहा कि ध्वजारोहण समारोह के आयोजन में समरसता व सांस्कृतिक गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

50 करोड़ की लागत से 6000 स्कायर मीटर एरिया में बन रहा इनडोर स्टेडियम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

प्रधानमंत्री, भारत सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी मिशन के तहत आने वाले दिनों में अलीगढ़वासियों को एक और खूबसूरत आधुनिक सुविधाओं से लैस इनडोर ग्रेम्स स्टेडियम की सौगात स्मार्ट सिटी देने जा रही है। लगभग 50 करोड़ की लागत से 6000 स्कायर मीटर एरिया में बनाये जा रहें इनडोर स्टेडियम निर्माण का काम लगभग पूरा होने की कगार पर है।

पिछले दिनों स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 39वीं बोर्ड बैठक में मंडलायुक्त संगीता सिंह की अध्यक्षता में कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में सम्पन्न हुई थी बोर्ड बैठक में जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं सीईओ/नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा सहित बोर्ड के सदस्य ने इस इनडोर गेम्स स्टेडियम के रखरखाव मेंटेनेंस और सुख सुविधाओं को बरकरार रखने के लिए राष्ट्रीय श्तर की कंपनियों को इसके संचालन की जिम्मेदारी देने का निर्णय लिया था।स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा नौरंगीलाल इंटर कॉलेज परिसर, अलीगढ़ में विकसित इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के संचालन, अनुरक्षण एवं प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय श्तर की योग्य एजेंसियों से ई-निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं। यह निविदा क्वालिटी कम कॉस्ट बेस्ड सिलेक्शन प्रक्रिया के अंतर्गत आमंत्रित की गई है।

नगर आयुक्त/सीईओ प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि मंडलायुक्त द्वारा इस अंतर्राष्ट्रीय सुख सुविधाओं से लैस इनडोर गेम्स स्टेडियम की गुणवत्ता मानक और सुख सुविधाओं को बेहतर तरीके से इश्तेमाल करने और रखरखाव को भी बेहतर तरीके से रखने के निर्देश दिए गए थे जिसके क्रम में इनडोर गेम्स स्टेडियम के रख रखाव के लिए प्रश्ताव/ई निविदाएं आमंत्रित की गई है। उन्होंने बताया कि निविदा के अनुसार चयनित एजेंसी को 20 वर्ष की अवधि के लिए संचालन अनुरक्षण, सुरक्षा प्रचार-प्रसार एवं जनसंपर्क प्रबंधन का दायित्व सौंपा जाएगा जिसे आगे 5 वर्ष तक बढ़ाया भी जा सकेगा।

धान खरीद केंद्र का शुभारंभ, डीएम ने किसानों का किया सम्मान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने गुरुवार को हरदुआगंज मंडी पहुंचकर किसान के धान की तौल कराकर जिले में धान खरीद कार्य का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने धान लेकर पहुंचे पहले किसान रवेन्द्र सिंह, निवासी हरदुआगंज देहात द्वारा नामित उनके पुत्र मुनेश कुमार का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया, जिससे किसानों में उत्साह का वातावरण दिखाई दिया। केन्द्र प्रभारी कु0 प्रियंका राजपूत ने किसान द्वारा लाये गये लगभग 50 कु0 धान की तुलाई प्रारम्भ करायी।

जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि कॉमन धान का मूल्य 2369 रूपये प्रति कुंतल, ग्रेड-ए धान का मूल्य 2389 प्रति कुंतल, बाजरा का मूल्य 2775 प्रति कुंतल और मक्का का मूल्य 2400 रूपये प्रति कुंतलय निर्धारित किया गया है। किसानों की सुविधा के लिए जिले में 14 केन्द्र व मण्डल में खाद्य विभाग, पी0सी0एफ0, पी0सी0यू0 संस्था के 65 धान क्रय केन्द्र खोले गये हैं। इसी प्रकार मण्डल में बाजरा खरीद के लिए 44 केन्द्र व मक्का खरीद के लिए 21 केन्द्र खोले गये हैं। सभी केन्द्रों पर किसानों की सुख-सुविधा सहित अन्य समश्त व्यवस्थायें पूर्ण हैं।

उन्होंने बताया कि किसानों को खाद्य विभाग की वेबसाइटीज पर सभी फसलों के लिए एक ही ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। कृषकों द्वारा फत ब्वकम के माध्यम से किसान मित्र एप डाउनलोड कर स्वयं अथवा जन सूचना केन्द्र या साइबर कैफे तथा क्रय केन्द्रों पर केन्द्र प्रभारियों के माध्यम से पंजीकरण कराया जा सकेगा।

फसल की बिक्री के लिए समश्त क्रय केन्द्र प्रातः 09 बजे से सायं 05 बजे तक खुले रहेंगे। फसल का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से सीधे किसान के आधार से लिंक या एनपीसीआई मैप बैंक खाते में किया जायेगा। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि अपने नजदीकी राजकीय क्रय केन्द्र पर अपनी फसल विक्रय कर न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना का लाभ प्राप्त करें।

डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि सभी क्रय केन्द्र समय से खुले रहें और फसल विक्रय के लिए केन्द्र पर आये किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पडे। उन्होंने मंडी में धान की तौल, भंडारण और भुगतान की प्रक्रिया का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य दिलाना है। इस अवसर पर सीडीओ प्रखर कुमार सिंह समेत सम्भागीय खाद्य विपणन अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, मण्डी सचिव एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

रोहित और विराट के संन्यास के बाद केएल राहुल पर है बड़ी जिम्मेदारी : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने केएल राहुल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद राहुल पर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। जियोहॉटस्टार से बात करते हुए पार्थिव पटेल ने कहा, केएल राहुल जिम्मेदारी के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी राहुल पर आ गई है। हम उनके कौशल को जानते हैं। वह स्पिनरों के खिलाफ गेंद को अपने पास आने देते हैं और अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हैं। यह शैली उन पर पूरी तरह से जंचती है।

अब सबसे जरूरी चीज है गति पकड़ने की उनकी क्षमता, जिसका जिक्र उन्होंने खुद किया है। वह शुरुआत में समय लेते हैं, गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षण का आकलन करते हैं, और फिर आक्रमण करने के लिए सही मौके चुनते हैं। वर्तमान में, टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत लगभग 36 का है। वह इस आंकड़ों से कहीं बेहतर बल्लेबाज हैं। इस साल उन्हें निरंतरता बनाए रखते देखना उत्साहजनक है। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में राहुल ने शतक लगाया था। उन्होंने 100 रन की पारी खेली थी। इंग्लैंड दौरे पर राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। पांच टेस्ट मैचों की 10 पारियों में दो शतक और दो अर्धशतक लगाते हुए 532 रन बनाए थे। केएल राहुल मौजूदा टीम में सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा की मौजूदगी में राहुल को बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव का सामना करना पड़ता था।

कभी ओपनिंग और कभी मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ती थी। रोहित के संन्यास के बाद राहुल के लिए टेस्ट में सलामी बल्लेबाज की जगह तय हो गई है और वह पूरी जिम्मेदारी के साथ अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनका लय में होना भारतीय टीम के लिए अच्छा है। राहुल 64 टेस्ट में 11 शतक और 19 अर्धशतक की मदद से 3,889 रन बना चुके हैं।

28 महीने से नहीं खेला टेस्ट मैच; आकाशदीप को भी मिला मौका

मोहम्मद शमी की हुई इस टीम में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वेस्टइंडीज सीरीज में मौका नहीं मिलने और फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए जारी वनडे टीम से भी बाहर रहने के बाद उनके करियर पर कई प्रश्न चिन्ह लग रहे थे। मगर अब शमी एक बार फिर से मैदान पर लौटने को तैयार हैं। 35 वर्षीय भारतीय तेज गेंदबाज ने भले ही 28 महीने से टेस्ट मैच नहीं खेला हो लेकिन अब उनकी रेड बॉल क्रिकेट में वापसी होने वाली है। शमी को आगामी रणजी ट्रॉफी 2025 के लिए बंगाल के 17 सदस्यीय स्क्वाड में चुना गया है। उनके साथ आकाशदीप को भी मौका मिला है। जबकि इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है अभिमन्यु ईश्वरन को जो लंबे समय से टीम इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। वह इंग्लैंड दौरे पर भारतीय स्क्वाड का हिस्सा थे, मगर वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना गया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को उपकप्तान बनाया गया है। शमी और आकाशदीप के आने से बंगाल का स्क्वाड काफी मजबूत नजर आ रहा है। गौरतलब है कि शमी ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच जून 2023 में खेला था। हाल ही में दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में भी वह नजर आए थे।

क्रिकेटर रिंकू सिंह को मिली डी-कंपनी की धमकी, 10 करोड़ की फिरौती की डिमांड...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. उनसे दाऊद इब्राहिम के गिरोह डी-कंपनी का नाम लेकर 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई. पुलिस ने इस मामले में क्रिकेटर रिंकू को धमकी देने वाले आरोपी से पूछताछ की, जिसके बाद इस बात का खुलासा हुआ. दरअसल, रिंकू सिंह से भी फिरौती मांगी गई है, इस बात का खुलासा मुंबई पुलिस की जांच में हुआ. ध्यान रहे दिवंगत एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को धमकी देने के मामले में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद दिलशाद नौशाद गिरफ्तार हुआ था, उससे पूछताछ में यह बात सामने आई. नौशाद ने पूछताछ के दौरान खुलासे में बताया कि उसने भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह से भी 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी. सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान पता चला कि दिलशाद ने रिंकू सिंह के इवेंट मैनेजर को भी धमकी भरा ईमेल भेजा था. दोनों मामलों में आरोपी ने खुद को डी-कंपनी का सदस्य बताते हुए फिरौती न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी. मुंबई पुलिस ने इस मामले में पहली बार बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के दरभंगा निवासी 33 वर्षीय मोहम्मद दिलशाद नौशाद को त्रिनिदाद और टोबैगो से प्रत्यर्पित किया था.

शुभमन गिल को पहले से पता था! टीम इंड़िया के नए ओडीआई कप्तान का बड़ा खुलासा

जाने वाली है रोहित शर्मा की कैप्टेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल अब भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे फॉर्मेट के कप्तान हैं. 4 अक्टूबर को गिल को वनडे टीम की कमान देने की घोषणा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने की थी. वहीं रोहित से वनडे क्रिकेट की कप्तानी छीने जाने को लेकर कई सवाल भी उठे थे. सवाल यह है कि आखिर उनकी शागिर्दी में खेले टीम इंड़िया के किसी खिलाड़ी का रिएक्शन क्यों नहीं आया. सबसे बड़ा सवाल इस बात का भी था कि आखिर नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने इस पूरे मसले पर चुपचाप क्यों रहे?

इन तमाम सवालों के बीच आखिरकार शुभमन गिल ने दिल्ली में आज (9 अक्टूबर) वेस्टइंडीज संग दूसरे टेस्ट मैच (10 अक्टूबर से होना) से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. जहां उन्होंने इशारों-इशारों में यह कह दिया कि उनको रोहित शर्मा के वनडे कप्तान से हटने की जानकारी पहले से ही थी. वनडे कप्तानी मिलने पर गिल ने कहा- पहले टेस्ट (वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में) के बाद इसका ऐलान हुआ था, लेकिन मुझे इसके बारे में थोड़ा पहले ही पता चल गया था. भारत की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है.

रोहित भाई से बॉन्डिंग की प्रेरणा लूंगा: शुभमन गिल अब टीम इंडिया के नए ODI कप्तान बन चुके हैं. उन्होंने गुरुवार को कहा कि वो अपने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के शांत स्वभाव और टीम में बनाए गए आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहते हैं. रोहित भाई की शांत प्रकृति और जिस तरह उन्होंने टीम में दोस्ती का माहौल बनाया, मैं उसे अपनाना चाहता हूं.

रोहित-कोहली खेलते रहेंगे वनडे, गिल ने किया साफ

नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने यह भी साफ किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर जो अटकलें लगाई जा रही हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है. दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे फॉर्मेट में उपलब्ध हैं. कोहली लंदन में हैं, जबकि रोहित शर्मा मुंबई में अपने घर पर हैं. दोनों 15 अक्टूबर को टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे. गिल ने कहा, इन दोनों ने भारत के लिए अनगिनत मैच जिताए हैं. बहुत कम खिलाड़ियों में इतनी स्किल और एक्सपीरियंस होता है, हमें उनकी जरूरत है.

महिला विश्व कपः

पाकिस्तान की शर्मनाक हार, 107 रन से जीती ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के नौंवे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रन से हराकर अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद खराब थी। टीम ने महज 76 के स्कोर पर 7 और 115 के स्कोर पर 8 विकेट गंवा दिए। इस समय ऐसा लग रहा था कि मैच का परिणाम पाकिस्तान के पक्ष में आएगा, लेकिन नौंवे विकेट के लिए बेथ मूनी और अलाना किंग के बीच रिकॉर्ड 106 रन की साझेदारी हुई। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 221 तक पहुंचा दिया। बेथ मूनी आखिरी गेंद पर आउट हुईं। मूनी ने 114 गेंद पर 11 चौके की मदद से 109 रन की पारी खेली। मूनी का वनडे में पांचवां शतक था। वहीं, अलाना किंग ने 49 गेंद पर 51 रन बनाए। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने वाली वह पहली बल्लेबाज बनीं। पाकिस्तान के लिए नशरा संधु ने 3, कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2, और डायना बेग और सादिया इकबाल ने 1-1 विकेट लिए। 222 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी ऑस्ट्रेलिया की तरह ही हुई। पाकिस्तान ने भी 49 पर 6 और 78 रन पर अपने 7 विकेट खो दिए। ऐसी स्थिति से ऑस्ट्रेलिया निकल गई थी, पाकिस्तान नहीं निकल सकी। पाकिस्तान 36.3 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। सिद्रा अमीन 52 गेंद पर 35 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहीं। रमीन शमीम ने 15, फातिमा सना और नशरा संधु ने 11-11 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका।

टेस्ट रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ स्थान पर पहुंचे रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 104 रन की नाबाद पारी खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने छह पायदान की छलांग लगाई है। 36 वर्षीय जडेजा की इससे पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29 थी, जो उन्होंने इसी साल जुलाई में हासिल की थी। न सिर्फ बल्ले, बल्कि रवींद्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ गेंद से भी सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 4 विकेट हासिल किए। शानदार प्रदर्शन के चलते जडेजा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के विरुद्ध पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में 3 पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पहली बार 700 रेटिंग अंकों को पार किया है। इस टेस्ट मैच के साथ अपनी रैंकिंग सुधारने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल शामिल हैं, जिन्होंने शतकीय पारियों के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में तरक्की की है। केएल राहुल चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद ध्रुव जुरेल 20 पायदान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर आ गए। इस बीच, बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल चार विकेट लेकर सात पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श फरवरी 2024 के बाद पहली बार बल्लेबाजी सूची में टॉप-10 में वापस आ गए हैं। मार्श ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में 85 और तीसरे मैच में नाबाद 103 रन बनाए थे। वहीं, न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन ने माउंट माउंगानुई में सीरीज के पहले मैच में नाबाद 106 रन बनाए, जिससे वह 58 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में अफगान खिलाड़ी नूर अहमद आठ स्थान ऊपर चढ़कर 17वें और मुजीब उर रहमान छह स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आर्कटिक ओपनः

आर्कटिक ओपन से लक्ष्य सेन बाहर, मन्नेपल्ली ने भारतीय उम्मीदों को जीवित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। वहीं, पेरिस ओलंपिक के

सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी थारुण मन्नेपल्ली ने आर्कटिक ओपन 2025 में देश की पुरुष एकल उम्मीदों को जीवंत रखा है। उन्होंने रोमांचक मुकाबले में दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर उलटफेर किया जबकि लक्ष्य सेन इस साल 10वीं बार पहले दौर में बाहर हो गए। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। उन्होंने निर्णायक गेम में चार मैच प्वाइंट बचाकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 प्रतियोगिता में शानदार जीत हासिल की। अब प्री क्वार्टर फाइनल में उनका सामना दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोकी वातानबे से होगा।

जापान के खिलाड़ी ने लक्ष्य सेन को दी मात

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य को शुरुआत से ही संघर्ष करना पड़ा।

ग्लेन मैक्सवेल ने करवाई सर्जरी, भारत के खिलाफ टी-20 में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने खुलासा किया है कि उन्होंने भारत के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खेलने का मौका पाने के लिए हाल ही में कलाई की सर्जरी करवाई। मैक्सवेल ने नेट प्रैक्टिस के दौरान हुई एक अजीब चोट की वजह से अपनी कलाई में फ्रैक्चर झेला था। इसके कारण वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरी ञ्20ढ्ढ सीरीज और भारत के खिलाफ पहले दो मैचों से बाहर रहेंगे।

सर्जरी का मकसद

मैक्सवेल ने कहा, सर्जरी कराने का मतलब था कि मेरे पास भारत के खिलाफ सीरीज में खेलने की एक छोटी उम्मीद बनी रहे। अगर सर्जरी नहीं कराता, तो पूरे सीरीज से बाहर होना पड़ता। साथ ही यह मेरे लिए बिग बैश लीग में जल्दी फिट होने का मौका भी देता है।

चोट कैसे लगी

मैक्सवेल ने बताया कि चोट उस समय लगी जब वे मिचेल ओवेन के शॉट को रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, शायद यह थोड़ी बदकिस्मती थी। चोट बस हड्डी पर लगी, मांस पर नहीं, इसलिए मैं शुक्रगुजार था कि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

पुनर्वास और भविष्य

मैक्सवेल ने 8 अक्टूबर को कास्ट हटाने के बाद थैरेपिस्ट से मुलाकात की और कलाई के लिए बेसिक मूवमेंट्स और स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज शुरू की। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि आगामी बीबीएलमें वे नेट में बड़ी स्ट्राइकर्स को अलग लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करेंगे ताकि चोट का जोखिम कम हो। पहले दो टी20 मैच 29 और 31 अक्टूबर को खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट समिति ने अभी बाकी तीन मैचों के लिए टीम का ऐलान नहीं किया है। चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिए हैं कि एशेज टीम के खिलाड़ी अंतिम तीन मैच छोड़ सकते हैं ताकि वे रेड-बॉल क्रिकेट पर फोकस कर सकें।

सिर्फ 886 गेंदों में खत्म हो गया ये टेस्ट मैच, वैभव सूर्यवंशी की टीम ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में धूल चटाकर इतिहास रच दिया है. आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय युवा टीम ने दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम की. इस जीत को खास बनाता है दूसरा टेस्ट मैच, जो सिर्फ 886 गेंदों तक चला और खत्म हो गया, यानी दो दिन के अंदर ही टीम इंडिया ने मुकाबला जीत लिया. इस तरह भारत ने 30 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे कम गेंदों में यूथ टेस्ट मैच जीतने का नया कीर्तिमान स्थापित किया.

वैभव सूर्यवंशी का शानदार प्रदर्शनः इस सीरीज में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने दो टेस्ट मैचों में कुल 133 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल रहा. वैभव की यह पारी टीम की नींव को मजबूत करने में अहम साबित हुई. उनके साथ-साथ कप्तान आयुष म्हात्रे की रणनीति और गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी ने भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया.

वनडे और टेस्ट, दोनों में ऑस्ट्रेलिया का सफायाः भारत ने सिर्फ टेस्ट में ही नहीं, बल्कि वनडे सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया को क्लीन स्वीप किया. तीन मैचों की यूथ वनडे सीरीज में भी भारत ने 3-0 से जीत दर्ज की थी. पहले मैच में भारत की 7 विकेट से जीत हुई. दूसरे मैच में 51 रन से धमाकेदार शानदार जीत दर्ज की और तीसरे मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से धूल चटा दी. भारत का टेस्ट सीरीज में भी यही दबदबा जारी रहा. टीम ने पहला यूथ टेस्ट पारी और 58 रन से जीता, जबकि दूसरा टेस्ट 7 विकेट से अपने नाम किया.

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी पूरी तरह ढहीः दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी बेहद कमजोर नजर आई. पहली पारी में उनकी टीम सिर्फ 135 रन ही बना सकी, जिसमें विकेटकीपर एलेक्स ली यंग ने 66 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली. दूसरी पारी में तो पूरी टीम 116 रन पर सिमट गई. भारत को जीत के लिए सिर्फ 81 रन चाहिए थे, जिसे उसने तीन विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया.

1995 का रिकॉर्ड टूटा

इस जीत के साथ भारत ने वेस्टइंडीज का 1995 में बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया, जब विंडीज ने पाकिस्तान को फैसलाबाद में 992 गेंदों के भीतर हराया था. अब भारत के नाम यह उपलब्धि दर्ज हो गई है कि उसने सिर्फ 886 गेंदों में यूथ टेस्ट जीत लिया.